सहायक कर्मचारी / गार्ड

योग्यता – 8वीं पास

वेतन – 3,000 रु. से 5,000 रु. तक। (अनुमानित)

रोजगार के अवसर –

1. प्रत्येक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में।
2. छोटे–बड़े अपार्टमेन्ट में।
3. बंगलों में।
4. समारोह में।
5. बैंकों आदि में।

लिपिक

योग्यता – 10वीं / 12वीं पास

वेतन – संस्थान की आवश्यकतानुसार
यथा 5,000 रु. से 10,000 रु. तक। (अनुमानित)

रोजगार के अवसर –

1. प्रत्येक लघु व वृहद् व्यवसाय में।
2. होटल रिकार्ड संधारण में।
3. निजी विद्यालयों में।
4. निजी अस्पतालों में।
5. कोचिंग सेन्टर में।
6. बैंकों तथा विभिन्न कार्यालयों आदि में।

ड्राइवर

बढ़ती जनसंख्या, औद्योगीकरण और तीव्र विकास के इस दौर में एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवागमन एवं वस्तुओं का हस्तांतरण परिवहन साधनों से ही संभव हुआ है। परिवहन साधनों के विकास ने इस क्षेत्र में कॅरियर के कई अवसर उपलब्ध कराए हैं। इन अवसरों में ड्राइविंग रोजगार का एक प्रमुख क्षेत्र है।

योग्यताः– न्यूनतम कक्षा 8वीं उत्तीर्ण तथा भारी वाहन चलाने का अनुभव।

रोजगार के अवसर :–विभिन्न निजी कम्पनियों, संस्थाओं, ट्रेवल एजेन्सियों तथा संगठनों के कार्मिकों, अधिकारियों के आवगमन हेतु इस पद के कई अवसर उपलब्ध होते हैं।

संस्थान –स्थानीय स्तर पर संचालित होने वाले परिवहन विभाग से मान्यता प्राप्त मोटर ड्राइविंग इंस्टीट्यूट से ड्राइविंग प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता है।

कॉल सेन्टर /(B.P.O.)

अपने कार्यालय/व्यवसाय के प्रचार–प्रसार तथा अधिकाधिक जनसम्पर्क स्थापित करने हेतु हर कम्पनी, उत्पाद निर्माता तथा सेवा प्रदाता कॉल सेन्टर/बी.पी.ओ. संचालित करते हैं। पिछले कुछ सालों में कॉल सेन्टर/बी.पी.ओ. क्षेत्र ने काफी तेजी से विकास किया है। यहाँ आप कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव, कस्टमर केयर स्पेशलिस्ट से लेकर फ्रेशर बी.पी.ओ. जॉब व ट्रेनी/मैनेजमेन्ट ट्रेनी, टेक्निकल सपोर्ट एक्जीक्यूटिव के तौर पर काम कर सकते हैं।

योग्यताः– 10+2 उत्तीर्ण, स्पष्ट वाणी सम्प्रेषण तथा अंग्रेजी का कार्यसाधक ज्ञान।

रोजगार के अवसर :– वैश्वीकरण के दौर में कॉल सेन्टर/बी.पी.ओ. की आज छोटे, मध्यम व बड़े सभी प्रकार के व्यावसायिक क्षेत्रों में माँग है। व्यावसायिक क्षेत्रों के अलावा स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, सरकारी व गैर सरकारी संगठनों में भी कॉल सेन्टर/बी.पी.ओ. के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं।

टाइपिस्ट

कम्प्यूटर के बढ़ते उपयोग, प्रिन्ट मीडिया के विकास और शैक्षिक परिवेश में सूचना प्रौद्योगिकी के अध्ययन–अध्यापन के साथ ही विभिन्न सांखिकीय आकड़ों के विश्लेषण, दस्तावेजों के लेखन, डाटा एंट्री, निजी कार्यालयी कार्यों आदि में टाइपिस्ट की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

योग्यताः–हिन्दी/अंग्रेजी टाइपिंग में दक्ष।

रोजगार के अवसर :– विभिन्न निजी कार्यालयों, न्यायालय, रेलवे, पत्र–पत्रिकाओं के प्रकाशन, अध्यापन तथा स्वयं का टाइप प्रशिक्षण, कोचिंग सेन्टर आदि में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं।

संस्थान–मान्यता प्राप्त आई.टी.आई. केन्द्र व निजी टाइपिंग केन्द्र।

स्टेनोग्राफर

विद्यार्थियों के लिए स्टेनोग्राफी में कॅरियर के कई क्षेत्र विकसित हुए हैं। सरकारी, निजी संस्थानों, कॉर्पोरेट जगत और विभिन्न कम्पनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। 10+2 स्तर पर स्टेनोग्राफी विषय लेकर स्टेनोग्राफर बना जा सकता है। विश्वविद्यालयों में भी स्नातक स्तर पर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम चल रहे हैं।

योग्यता – स्टेनोग्राफी में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा (अंग्रेजी/हिन्दी)

रोजगार के अवसर :–

1. निजी सचिव, विभिन्न कार्यालयों में।
2. स्टेनोग्राफर न्यायालय, रेलवे तथा विभिन्न मंत्रालयों में।
3. विभिन्न निजी कम्पनियों व पत्र–पत्रिकाओं के कार्यालयों में।
4. स्टेनोग्राफी कोर्स करके स्वयं का प्रशिक्षण, कोचिंग सेन्टर खोल सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :– सभी प्रमुख निजी एवं राजकीय महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में स्टेनोग्राफी के कोर्स संचालित होते हैं।

बैकिंग

बैंकिंग उद्योग पारम्परिक तरीके से न सिर्फ आम लोगों की मदद करता है, बल्कि आर्थिक विकास के लिए ऋण और विभिन्न विकास कार्यों के लिए वित्तीय मदद भी मुहैया कराता है। आजकल बैंकिंग क्षेत्र में कार्मिकों की भर्ती IBPS परीक्षा के माध्यम से होती है। IBPS परीक्षा में प्राप्त स्कोर के आधार पर विभिन्न बैंक अपने यहाँ कर्मचारियों की भर्ती करते हैं।

योग्यताः– बैंकिंग और बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा/डिग्री

रोजगार के अवसर :–कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सैविंग्स एकाउंट, डीमेट एकाउंट, रेकरिंग डिपॉजिट एकाउंट, बैकिंग प्रोबेशनरी ऑफिसर, लोन ऑफिसर, एसेसर,पर्सनल लोन ऑफिसर, होम लोन ऑफिसर, होम लोन एजेन्ट, लोन मैनेजर, मार्गेज लोन अंडररिटेन एकाउंटेंट, प्रॉडक्ट मार्केटिंग व सेल्स एक्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर, रिटेल एसेट मैनेजर, प्रॉपटी अप्रेजर व कस्टम सर्विस एक्जीक्यूटिव के रूप में कॅरियर के कई अवसर उपलब्ध हैं।

संस्थानः– इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सेलेक्शन, नई दिल्ली।

स्टोर/रिटेल मैनेजमेन्ट में अवसर

भारत की कई प्रमुख कम्पनियों के साथ ही कई विदेशी कम्पनियों ने भी भारत के रिटेल क्षेत्र में अपने कदम रखे हैं। सेल्स, मार्केटिंग, फाइनेंस एवं एकाउंट्स जैसे क्षेत्रों में नौकरियों के कई अवसर हैं। इस क्षेत्र में प्रबंधन में चतुर व्यक्तियों की मांग रहती है। ग्राहकों को संतुष्ट करने का वाक्चातुर्य इस क्षेत्र की अनिवार्य शर्त है।

योग्यता :– डिप्लोमा इन स्टोर/रिटेल मैनेजमेन्ट।

रोजगार के अवसरः–कई देशी–विदेशी कम्पनियों के रिटेल क्षेत्र में आने से इस क्षेत्र में रोजगार के कई अवसरों का सृजन हुआ है। सेल्स, मार्केटिंग, विज्ञापन, एडवाइजर, फाइनेंसर एवं एकाउंटेंट आदि प्रमुख हैं।

संस्थान :– राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।

पर्ल एकेडमी, देहली रोड़, कूकस, राजस्थान।

ग्राफिक डिजाइनर

विजुअल कम्यूनिकेशन में दक्ष होने के कारण डिजाइन इंडस्ट्री में ग्राफिक डिजाइनरों की माँग ज्यादा है। डिजाइन इंडस्ट्री में ग्राफिक डिजाइन सहित आर्ट वर्कर, डिजाइन मैनेजमेंट, प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, क्रिएटिव डायरेक्टर, वेब डिजाइनर, जूनियर डिजाइनर, व विजुअलाइजर के पदों पर काम किया सकता है।

योग्यताः—ग्राफिक डिजाइन में डिप्लोमा/डिग्री

रोजगार के अवसरः—ग्राफिक डिजाइनर के तौर पर आप विज्ञापन एजेंसी, ऑडियो—विजुअल मीडिया, डिजाइन स्टूडियो, प्रकाशक, मार्केटिंग फर्म, डिपार्टमेन्टल स्टोर, एजुकेशन इंस्टीट्यूट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, पैकेजिंग, बुक जैकेट्स व कवर्स, फिल्म एवं एनिमेशन, न्यूज पेपर आदि के लिए काम कर सकते हैं।

संस्थान —तकनीकी शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त संस्थान।

राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

इंश्योरेन्स सेक्टर में अवसर

वैश्वीकरण के इस दौर में औद्योगीकरण, दंगा—फसाद, प्राकृतिक आपदा, शहरीकरण आदि के कारण कई प्रकार की विपत्तियों की आशंका बनी रहती है। इनसे होने वाली विभिन्न प्रकार की हानियों से बचने के लिए इंश्योरेन्स क्षेत्र ने जान—माल की सुरक्षा उपलब्ध कराई है। सुरक्षा के साथ ही रोजगार के हजारों विकल्पों का सृजन किया है। इस क्षेत्र में इंश्योरेन्स एजेंट, एडवाइजर, अंडरराइटर, सेल्स एजेंट, एसेट मैनेजर, रिस्क मैनेजर, कस्टमर सर्विस एक्जीक्यूटिव या एक्चुअरी, मोटीवेटर, सुपरवाइजर, डवलपमेन्ट ऑफिसर आदि के रूप में काम किया जा सकता है।

योग्यता — इंश्योरेन्स मैनेजमेन्ट में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा तथा वाक्—कुशल।

रोजगार के अवसरः—विभिन्न देशी—विदेशी बीमा कम्पनियाँ बीमा क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध करा रही हैं। इन कम्पनियों के साथ जुड़कर स्वयं का कार्यालय भी संचालित किया जा सकता है।

संस्थान — राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

सूचना एवं तकनीकी में कॅरियर

भारत के अलावा विदेशों में भी डाटा एंट्री ऑपरेटर की काफी मांग है। डाटा एंट्री ऑपरेशन के अलावा डाटा प्रोसेसिंग, डाटा मैनेजमेंट, डॉक्यूमेन्ट मैनेजमेंट, डाटा कन्वर्जन, डाटा डिजिटलाइजेशन, डाटा माइनिंग, वैलिडेशन व डॉक्यूमेंट इमेजिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है।

योग्यता– RS-CIT, DCA, O/A/B/C लेवल तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/मैंटेनेन्स में कोर्स।

रोजगार के अवसरः– सूचना एवं तकनीकी का इस्तेमाल अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में होने से कॅरियर के विकल्पों की कोई कमी नहीं है। प्रतिष्ठित संस्थान से संबंधित कोर्स करके सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर, सॉफ्टवेयर डेवलपर, कंसल्टेंट, सॉफ्टवेयर टेस्टर, सिस्टम प्रोग्रामर, सॉफ्टवेयर डिजाइन इंजीनियर, वेबसाइट डिजाइनर, वेबसाइट डेवलपर, वेब प्रोमोटर, क्लाइंट सर्वर आदि के रूप में कई अवसर हैं।

संस्थान – इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली।

NCVT और SCVT से मान्यता प्राप्त आई.टी.आई.केन्द्र।

चार्टर्ड फायनेंशियल एनालिस्ट (C.F.A.)

देश में तेजी से आ रही बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, बढ़ते वैश्वीकरण तथा व्यापार में आ रहे बूम को देखते हुए उसके बेहतर वित्तीय प्रबंधन के साथ वित्तीय अनुमान लगाने एवं सुदढ़ वित्तीय योजनाओं को बनाने का कार्य ही CFA का है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए निःसंदेह कहा जा सकता है कि CFA की आने वाले समय में बहुत मांग होने वाली है।

योग्यता :– 1. डिप्लोमा इन बिजनेस फायनेंस/एडवांस डिप्लोमा इन फायनेंस

2. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल एनालिस्ट

रोजगार के अवसरः–केपिटल मार्केटिंग एण्ड टूरिलाइजेशन, केश मैनेजमेंट, स्टॉक इन्वेस्टमेंट कन्सलटेंट एण्ड एडवाइजर फॉरेन एक्सजेंज मैनजमेन्ट आदि क्षेत्रों में अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थानः– द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट ऑफ इण्डिया, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

वेबसाइट– www.icfai.org

स्टॉक मार्केट में कॅरियर

वृहद स्तर पर किए जाने वाले व्यवसायों में पूँजी ही रीढ़ की हड्डी का कार्य करती है। पूँजी या तो व्यवसायी द्वारा स्वयं या ऋण लेकर अथवा शेयर आवंटित करके अर्थात् आम जनता को व्यवसाय में साझेदार बनाकर प्राप्त की जाती है। शेयर आवंटित करके पूँजी प्राप्त करना स्टॉक मार्केट के मार्फत होता है।

योग्यता :–वाणिज्य संकाय को वरीयता

रोजगार के अवसरः– विद्यार्थी स्टॉक मार्केट में कार्य करने हेतु इससे संबंधित कोर्स करने के साथ इस क्षेत्र के अनुभवी व्यक्ति के साथ काम कर सकता है, जिससे वे शेयर बाजार में स्वयं का व्यवसाय या नौकरी दोनों कर सकते हैं। केपिटल मार्केटिंग, केश मैनेजमेंट ,स्टॉक इन्वेस्मेंट कन्सलटेंट आदि क्षेत्रों में अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान :– 1 बोम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मुम्बई।

2 इंस्टीट्यूट ऑफ केपिटल मार्केट डेवलपमेंट, नई दिल्ली।

कम्पनी सेकेट्री (C.S.)

आज औद्योगिक घराने पूर्ण रूप से पेशेवर रूप अपनाते जा रहे हैं। इसी कारण हर स्तर पर कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता पड़ती है। विशेषकर आर्थिक प्रबन्ध के क्षेत्र में योग्य व्यक्ति ही अधिक सफलतापूर्वक कार्य कर सकता है। कम्पनी सचिव का पद बहुत महत्वपूर्ण होता है। चुंकि वह वित्त, कानूनी, प्रशासनिक, लेखा–जोखा आदि कार्यों में कम्पनी को उचित सलाह देता है।

योग्यताः– कम्पनी सचिव परीक्षा उत्तीर्ण।

रोजगार के अवसरः– राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, आर्थिक प्रबन्ध क्षेत्र, वित्त कानूनी, प्रशासनिक लेखा–जोखा क्षेत्र में तथा निजी क्षेत्र में प्रबन्धक के रूप में कार्य किया जा सकता है।

संस्थानः–द इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरी ऑफ इण्डिया इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली।

कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउटेंसी (I.C.W.A.)

आज प्रबन्धकों का कार्य भी चुनौतीपूर्ण व कठिन हो गया है। यही कारण है कि लागत व प्रबन्ध संबंधी लेखा कार्य आपस में मिलजुल से गए हैं। उत्पादों की लागत का लेखा–जोखा एवं प्रबन्धन का कार्य इस कोर्स को करने वाले आसानी से कर सकते हैं। आई.सी.डब्ल्यू.ए. पेशेवर व्यावसायिक कम्पनियों व सरकारी संगठनों के ऑडिट, एकाउंटिंग, फाइनेंशियल कंसल्टिंग, कॉर्पोरेट एकाउंटिंग का काम देखते हैं।

योग्यताः–प्रवेश परीक्षा (12वीं पास हेतु) इन्टरमिडिएट और फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण।

रोजगार के अवसरः–

1. व्यापार में उत्पादों की लागत का लेखा–जोखा रखने के लिए कन्सलटेन्ट के रूप में।
2. नई विधि से उत्पाद को डिजाइन करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में।
3. व्यापारिक लेन–देन का आन्तरिक अंकेक्षण करने के रूप में।
4. निवेश विश्लेषक की भूमिका में।
5. मूलधन व अन्य नकदी संबंधी प्रबन्धन के रूप में।

संस्थानः– द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंसी ऑफ इण्डिया,
12 सदर स्ट्रीट, कोलकाता

वेबसाइटः– www.icwai.com

चार्टर्ड एकाउंटेंट (C.A.)

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 225 के अनुसार प्रत्येक कम्पनी को साल में एक बार कानूनी रूप से अंकेक्षण अर्थात ऑडिट कराना आवश्यक है, जो सी.ए. द्वारा किया जाता है। जिसका मुख्य काम कम्पनी, व्यावसायिक संगठन, सरकारी या निजी बैंक, बीमा कम्पनी आदि का ऑडिट करना होता है।

योग्यता – C.P.T., I.P.C.C. & Final course उत्तीर्ण तथा द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया के कार्यालय में पंजीकृत।

रोजगार के अवसर – सी.ए. पेशेवर व्यावसायिक कंपनियों व सरकारी संगठनों के ऑडिट, एकाउंटिंग, फाइनेंशियल कंसल्टिंग, कॉर्पोरेट एकाउंटिंग आदि काम देखते हैं। निजी बैंकों व विदेशी कम्पनियों की बढ़ती संख्या की वजह से सी.ए. रोजगार का बेहतर विकल्प बन गया है। इस क्षेत्र में डॉक्टर और वकील की तरह निजी प्रेक्टिस भी कर सकते हैं।

संस्थान – भारतीय चार्टर्ड एकाउंट्स (लेखाकार) संस्थान का केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली में हैं। छात्र राज्यों में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

वेबसाइट:– www.icai.org

फ्रेंचाइज इण्डस्ट्री

फ्रेंचाइज से तात्पर्य ''नौकरी से मुक्त होना''। फ्रेंचाइजर बहुत ही कम पूँजी लगाकर अच्छी सफलता प्राप्त कर सकता है। विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी खो रहे लोग व आर्थिक मंदी के इस दौर में लोग फ्रेंचाइज बेहतर विकल्प के रूप मे देख रहे हैं। फ्रेंचाइज बिजनेस के कई अवसर उपलब्ध कराते हैं, जैसे फूड एण्ड बेवरेज, फैशन, लाइफ स्टाइल, लग्जरी, हैल्थ, ब्यूटी, फिटनेस, एजुकेशन, ट्रेनिंग, एन्टरटेनमेंट, हॉस्पिटेलिटी, ट्रेवल, स्पेशिएलिटी रीटेल और सर्विसेज आदि।

फ्रेंचाइज उभरते उद्यमियों के लिए यह सबसे विश्वसनीय प्रणाली है क्योंकि यह उत्पाद और सेवा के लिए नियमित प्रतिमाह व सुनिश्चित प्रक्रिया के साथ ब्राण्ड के रूप में सहयोग देने का काम करती है। फ्रेंचाइज का आकार, बजट, जोखिम उठा पाने की क्षमता, फ्रेंचाइज का रूख, बाजार का रूख, बदलती जीवन शैली, और उसके साथ लोगों की बदलती पसंद के अनुसार तय कर सकते हैं।

फ्रेंचाइज चयन में ध्यान देने योग्य बातें :–

1. फ्रेंचाइज चयन के पूर्व उस उत्पाद या सेवा की मांग, समान उत्पाद या सेवा देने वाले प्रतियोगी फ्रेंचाइज देने वाले की पृष्ठभूमि और उसके द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली मदद पर विचार करना चाहिए।

2. आपके इलाके में कितने फ्रेंचाइज या बिजनेस आउटलेट हैं? बेचे जाने वाले उत्पाद या सेवाएँ आसानी से ऑनलाईन उपलब्ध हैं या नहीं? आपके समानान्तर कम्पनियों की संख्या कितनी हैं?, वे कितनी कीमत पर सामान उपलब्ध करवा रही हैं? आदि की जानकारी हो।

3. फ्रेंचाइज देने वाला किस तरह का प्रशिक्षण व सहायक सेवाएँ उपलब्ध करवाता है? यह प्रशिक्षण औद्योगिक प्रशिक्षण के मानकों के समान हैं या नहीं? फ्रेंचाइज मालिक की योग्यता व पृष्ठभूमि क्या है? इसका पता लगाऐं।

फ्रेंचाइज विशेषज्ञ – इस क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं जहाँ ये एक ही छत के नीचे सैकड़ों विकल्प उपलब्ध करवाते हैं। ये इन्टरनेट व बिजनेस पत्रिकाओं में विज्ञापन देते है। जिसमें से चयन किया जा सकता है।

उद्यमिता

हमारे देश में वर्तमान में विभिन्न प्रकार की समस्याएँ उपस्थित हैं। इसमें से युवा बेरोजगारी की समस्या चिन्तनीय है। अपनी आजीविका को तलाशने में प्रतिकूल परिस्थितियों से जुझना पड़ता है फिर भी नौकरी प्राप्त नहीं होती है। इसके बावजूद युवाओं को निराशा एवं हतोत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है।

''उत्तम खेती मध्यम बान/अधम चाकरी भीख निदान ।''

यानि खेती, उद्योग और व्यापार सबसे उत्तम कार्य है और नौकरी निम्न श्रेणी का कार्य है।

उद्यमिता क्यों ?

यदि आज के युवा नौकरी के मोह से मुक्त होकर अपने कॅरियर निर्माण हेतु उद्यमिता अपनाने का लक्ष्य निर्धारित कर सकारात्मक प्रयास करते हैं तो युवाओं को रोजगार हेतु प्रतीक्षा नहीं करनी होगी और बेरोजगारी कम करने में मदद कर सकेंगे।

उद्यमिता अपनाने से लाभ –

उद्यमिता से अपनी रुचि, क्षमता, सृजनात्मक शक्ति, और अभिवृत्ति का उपयोग कर सकते हैं। उद्यमिता में व्यक्ति स्वामी होता है पीढ़ी दर पीढ़ी चलती है और रोजगार उपलब्ध कराती है। जीवन को सुखमय बनाते हुए कार्य संतुष्टि देती है।

उद्यमिता से पूर्व तैयारी:– उद्यमी बनकर उद्योग की स्थापना करनी होती है जिसमें निम्न बातें आवश्यक होती है:–

- तकनीकी ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक
- अधिग्रहण आवश्यक
- आवागमन व संचार के साधनों का पूर्ण विस्तार
- वित्तीय आवश्यकताओं का पूर्वानुमान
- यन्त्र उपकरण कच्चे माल की व्यवस्था
- विक्रय की व्यवस्था

- जल और विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था
- उद्यम हेतु सहायता प्रदान करने वाली संस्था व कार्यालय के नियमों की पूरी जानकारी
- अनुज्ञा पत्र (आवश्यक हो तो)
- विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना।

(उक्त सभी तैयारियाँ आवश्यक हैं।)

सफल उद्यमी के आवश्यक गुण

उद्यमी वह व्यक्ति है जो कुछ विशेष कार्य (उद्योग /सेवा/व्यवसाय/व्यापार) करने के लिए अपने विचारों को जन्म देता है और उन विचारों को क्रियान्वित करने के लिए अपनी तरफ से पहल, आत्मविश्वास और आत्मबल दिखाता है जिससे यह विचार एक उद्यम का रूप धारण कर सके। सफल उद्यमी होना किसी विशेष परिवार, क्षेत्र, जाति, स्थान आदि पर निर्भर नहीं करता है अपितु कोई भी व्यक्ति सफल उद्यमी बन सकता है, जिसमें एक सफल उद्यमी बनने के निम्न गुण मौजूद हों। इन पर ही उसकी सफलता निर्भर करती है।

1. अनुशासन प्रियता
2. कर्मठता
3. महत्वाकांक्षी होना
4. ईमानदारी
5. खोजी–प्रवृति
6. संतुलित जोखिम उठाना
7. सकारात्मक रवैया रखना
8. प्रशिक्षण हेतु तत्पर
9. भविष्य के प्रति आशावान
10. विनम्र
11. समस्याओं का समाधान करने वाला
12 .पहल करने एवं स्वतंत्र विचार रखने वाला
13. वातावरण को विश्लेषित करने की इच्छाशक्ति
14. लक्ष्य निर्धारण कर समयबद्व कार्य करना

उद्यमिता में प्रशिक्षण, मार्गदर्शन प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाएँ

क्र. सं.	संस्था का नाम	मार्गदर्शन का स्वरूप
1.	केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (C.F.T.R.I.) मैसूर	कृषि तथा खाद्यानों पर आधारित उद्योगों की स्थापना में सलाह, मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण
2.	केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रूड़की	भवन निर्माण में सहायक उत्पादों जैसे ईंट निर्माण, हाइड्रेटेड लाइम वाटर रूफिंग सींमेट आदि से संबंधित ईकाइयों की स्थापना
3.	केन्द्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान, अडयार– चैन्नई	चमड़े पर आधारित उद्योगों के मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण
4.	केन्द्रीय दवाई व सगन्ध पौध संस्थान पो.बॉ. नं. 1 राजसागर, लखनऊ	सुगंधित पौधों पर आधारित उद्योगों से संबंधित मार्गदर्शन
5.	क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, होशंगाबाद रोड, हबीबगंज भोपाल	भवन निर्माण से संबंधित उद्योगों की स्थापना में मार्गदर्शन
6.	क्षेत्रीय कांच एवं सिरेमिक्स अनुसंधान संस्थान, जादवपुर यूनिवर्सिटी, पश्चिमी बंगाल	कांच जैसे ऑप्टिकल ग्लास, ऑप्टिकल कोटिंग्स, ऑप्टिकल कम्यूनिकेशन फाइबर, लेजर ग्लास, इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स हेतु सिरेमिक्स आदि से संबंधित उद्योगों की स्थापना हेतु मार्गदर्शन।
7.	केन्द्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान, कराइकुड़ी	बैट्रियों,इलेक्ट्रोनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन इलेक्ट्रो–हाइड्रोमेटलर्जी,प्रदूषण नियंत्रण आदि से संबंधित ईकाइयों में मार्गदर्शन तथा तकनीकी जानकारी

उद्योग स्थापना में सहायता प्रदान करने वाली संस्थाएँ

1. केन्द्रीय प्लास्टिक तथा इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) सेक्टर–G गोविन्दपुरा, औद्योगिक क्षेत्र, जे.के.रोड, भोपाल।
2. भारतीय मानक ब्यूरो, (ब्यूरो ऑफ इण्डियन स्टैण्डर्स), गंगोत्री भवन, भोपाल।
3. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, इण्डियन रेडक्रॉस रोड पाचवां तल, नई दिल्ली।
4. संचालक, भारतीय कुक्कुटपालन प्रशिक्षण संस्थान, खाम पो. डरलीकंचन, पूना।
5.. प्रबन्ध निदेशक, नेशनल रिसर्च डवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन, कैलाश कॉलोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।
6. वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी.एस.आई.आर.), नई दिल्ली।
7. प्राचार्य, कुक्कुट प्रशिक्षण विद्यालय, अजमेर।
8. स्वेटर बनाने का प्रशिक्षण उषा इंटरनेशल लिमिटेड 24बी देवनगर, नई दिल्ली।
9 फाइबर ग्लास उद्योग से संबंधित व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, पीपुल्स कॉलेज हलद्वानी, जिला नैनीताल।
10. रसायन पर आधारित उद्योगों से संबंधित तकनीकी जानकारी मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला पुणे।

समस्त सरकारी औद्योगिक एवं वित्तीय संगठनों एवं उद्योग लगाने सम्बन्धी सूचनाओं की निःशुल्क प्राप्ति हेतु सम्पर्कः–

विकास आयुक्त, लघु उद्योग विकास संगठन, औद्योगिक विकास एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली– 110001

उद्योग से सम्बन्धित जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र–

–सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकास संस्थान, जयपुर।

–प्रोडेक्ट डवलपमेंट सेंटर, दी जैम एण्ड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफिस चेम्बर भवन, एम. आई. रोड जयपुर।

–भारतीय नगीना संस्थान –29 गुरूकुल चेम्बर्स 187–189 मुम्बई देवी रोड मुम्बईं

–ज्वैलरी डिजाइन एवं तकनीकी संस्थान ए. 89 सेक्टर –2 नोएडा।

लघु उद्योगों में सहायक संस्थाएँ

निम्न संस्थान लघु उद्योग के विकास हेतु स्थापित किए गए हैं जो कि विभिन्न प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हैं। इन संस्थाओं का विवरण निम्न प्रकार से है –

1. लघु उद्योग विकास संगठन
2. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकास संस्थान, जयपुर
3. उद्योग निदेशालय
4. राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड
5. राज्य लघु उद्योग निगम
6. राज्यों के वित्तीय निगम (स्टेट फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन)
7. राष्ट्रीयकृत वाणिज्यिक एवं सहकारी बैंक
8. भारतीय लघु उद्योग संघ
9. भारतीय मानक संस्थान
10. भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड
11. भारतीय खनिज तथा धातु व्यापार निगम
12. भारतीय निवेश केन्द्र
13. राष्ट्रीय परीक्षण गृह
14. निर्यात एवं ऋण गारन्टी निगम
15. राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं
16. एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल्स

उद्योग स्थापना में सहयोगी संस्थाएँ

सरकार द्वारा नव उद्यमियों को दी जाने वाली सुविधाओं तथा वर्तमान में उद्यमिता तथा उद्यमिता के विकास पर दिये जाने वाले बल के फलस्वरूप अनेक युवा अपना स्वयं का उद्योग स्थापित करने की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उद्योग की स्थापना से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में सहायता प्राप्त करने हेतु विभिन्न संस्थाओं से सम्पर्क किया जा सकता है।

1. प्रशिक्षण हेतुः–

क. उद्यमिता के गुणों के विकास एवं प्रबन्धकीय क्षमता के विकास हेतु केन्द्र भोपाल और लघु उद्योग सेवा संस्थान द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्रदान किये जाते हैं।

ख. विशेष उद्योगों में प्रायोगिक प्रशिक्षण केन्द्रीय प्लास्टिक एवं इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) भोपाल से प्राप्त किया जा सकता है।

ग. मुर्गीपालन प्रशिक्षण एवं कुक्कुट प्रशिक्षण विद्यालय, अजमेर, रीवा एवं इंस्टीट्यूट ऑफ पोल्ट्री मैनेजमेंट ऑफ इंडिया पूना में उपलब्ध।

घ. ग्रामीण क्षेत्र के कुटीर उद्योग अगरबत्ती, चमड़े का कार्य आदि का प्रशिक्षण एवं शोध विभिन्न संस्थानों द्वारा किया जाता है।

2. इकाईयों का चयन करने में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतुः–इकाईयों के चयन में राज्य के जिला उद्योग केन्द्रों, लघु उद्योग सेवा संस्थानों तथा राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद भोपाल द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

3. इकाई का पंजीयन कराने हेतुः–जिला उद्योग केन्द्र से सम्पर्क करना होता है। फिर प्रस्तावित उद्योग का पंजीयन किया जाता है। इसके पश्चात् ही उद्यमी उद्योग विभाग से मिलने वाली सुविधाओं का पात्र बन सकता है। जिला उद्योग केन्द्र में पंजीयन से संबंधित सभी दस्तावेज उपलब्ध होते हैं।

4. उद्योग हेतु भूमि की व्यवस्थाः–

अ. जिला उद्योग केन्द्र द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में यदि भूमि खाली हो तो वह उद्यमियों को लीज पर उपलब्ध पर करवाई जाती है।

ब. औद्योगिक केन्द्र विकास निगम द्वारा भी औद्योगिक क्षेत्र में भूमि प्रदान की जाती है।

स. स्वयं की भूमि या क्रय की गयी भूमि का रूपान्तरण सदस्य राजस्व अधिकारी द्वारा कराकर उस पर उद्योग स्थापित किया जाता है।

5. इकाई के लिए विद्युत, पानी कनेक्शन प्राप्त करने के लिएः— विद्युत मण्डल ,जलदाय कार्यालय के सहायक अभियन्ता या कनिष्ठ अभियन्ता को निर्धारित आवेदन पत्र जिला उद्योग केन्द्र की प्रस्तावित पंजीयन की प्रतिलिपि प्रोजेक्ट फाइल मशीनों में लगने वाले विद्युत लोड और जल की आवश्यकता का विवरण प्रस्तुत करने पर कनेक्शन उपलब्ध हो जाते हैं।

6. बाजार सर्वेक्षण की संभावना जानने हेतुः— लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर तथा कन्सलटेन्टस् के द्वारा संभावनाओं का पता चल जाता है।

7. परियोजना प्रतिवेदनः— मुख्य लघु उद्योग सेवा संस्थान एम.आई.रोड, जयपुर तथा राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद्, भोपाल द्वारा प्रोजेक्ट रिपोर्ट शुल्क प्रदान करने पर उपलब्ध हो जाती है।

8. लाइसेंस प्राप्त करने हेतुः—ड्रग एवं फूड लाइसेंस जिले में कार्यरत खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, जयपुर से प्राप्त किये जा सकते हैं।

9. मार्जिन मनी की व्यवस्था हेतुः—रोजगार कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना होता है। वित्त निगम एवं राष्ट्रीय बैंकों द्वारा संचालित इक्विटी फंड योजना से लाभ मिल सकता है।

10. इकाई हेतु वित्तीय सहायताः—

प्लांट एवं मशीनरी की जानकारी — राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, भोपाल द्वारा ।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, जयपुरः—ग्रामोद्योग की परिधि में आने वाले उद्योग को उचित ब्याज दर से ऋण प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय बैंक तथा जिले में कार्यरत वित्त निगम की शाखा वित्तीय सहायता प्रदान कर सकती है।

11. कच्चा माल उपलब्ध कराने एवं उत्पादकता का विपणन करने हेतुः—

लघु उद्योग निगम द्वारा कच्चा माल उपलब्ध कराया जाता है। इंडियन पेट्रो केमिकल्स लिमिटेड, बड़ौदा द्वारा प्लास्टिक पर आधारित उद्योगों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराया जाता है।

12. अपने उत्पाद का निर्यात करने में सहायता प्राप्त करने हेतुः—राज्य निर्यात निगम लिमिटेड जयपुर एवं राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम इस क्षेत्र में सहायक हैं।

13. गुणवत्ता चिन्हः—(अ) ISI मार्क (ब) एगमार्क

14. पर्यावरण तथा प्रदूषण नियत्रंण मण्डल की अनुमति प्राप्त करने हेतुः— क्षेत्रीय व उप क्षेत्रीय कार्यालय में इकाइयों के नाम तथा वायु प्रदूषण के संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र भरना पड़ता है।

15. पैकिंगः—पैकिंग आवश्यकताओं के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग प्लांट न. ई–2 मारोल इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, अंधेरी, मुम्बई से सहायता ली जा सकती है।

उद्योग स्थापना हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली संस्थाएँ

उद्योगों हेतु वित्त उपलब्ध कराने के लिए कई वित्तीय संस्थाएँ स्थापित की गई है, जो औद्योगिक इकाईयों को आसान किस्तों पर ऋण प्रदान करती हैं।

1. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम
2. राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम
3. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
4. राज्य वित्त निगम
5. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
6. खादी एवं ग्रामोद्योग
7. भारतीय औद्योगिक पुनः निर्माण बैंक
8. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
9. भारतीय औद्योगिक ऋण एवं निवेश निगम
10. राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम

लघु उद्योग प्रारम्भ करने के विभिन्न चरण

1. स्वरोजगार का निर्णय
2. उत्पाद चयन
3. उद्योग स्थल का चयन
4. प्रोजेक्ट रिपोर्ट की तैयारी
5. सफलता की सम्भावनाओं की परिकल्पना पर चर्चा
6. आत्म मूल्यांकन
7. वित्त प्रबन्धन
8. कर्मचारियों का चयन
9. आधुनिकीकरण
10. तकनीक प्रयोग क्षमता
11. वैधानिक अनुज्ञा
12. भूमि एवं भवन
13. मशीनरी का चयन
14. विद्युत–जल–आपूर्ति
15. कच्चे माल की उपलब्धता
16. उत्पादन
17. विपणन
18. सामान्य प्रबंधन
19. बजट निर्माण
20. ऋण पुनर्भरण
21. बाजार सर्वेक्षण

युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना

लक्ष्यः युवा उद्यमियों हेतु राजस्थान वित्त निगम के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उद्यमिता कौशल के विकास एवं उद्योग स्थापना के लिए यह योजना शुरू की गई है।

ऋण सीमाः 25 लाख रु. से 1 करोड तक ऋण

पात्रताः I.T.I. उत्तीर्ण/स्नातक (जो नये व्यावसायिक विचार रखते हैं)

आयुः 35 वर्ष तक

ऋण राशि प्रवर्तक अंशदानः

10% प्रवर्तक अंशदान होने से ऋण की 90 लाख रुपये तक सीमा है।

चयन प्रक्रियाः

1. चयन हेतु अभ्यार्थियों को परियोजना आधारित प्रतियोगिता में भाग लेना।
2. प्रथम स्तर में वित्त, वाणिज्य, बैंक और औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के पैनल से चयन कराया जाता है।
3. अवधारणा की सुदृढ़ता के आधार पर 5000 रू. पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

कुल 1000 अभ्यार्थियों को ऋण प्रदान कराया जाता है।

ब्याजः 13.50% दर से वार्षिक ब्याज।

समय पर किश्तों का पुर्नभुगतान हो तो ब्याज दर में उचित छूट दी जाती है।:

अवधिः ऋण भुगतान अवधि 7 वर्ष।

आवेदन शुल्क व प्रोसेसिंग शुल्कः

आवेदन शुल्क 100 रु. प्रति लाख है। प्रोसेसिंग शुल्क 0.5% (ऋण राशि का) 90 लाख ऋण पर 54 हजार रुपये की अतिरिक्त छूट।

अन्य सुविधाएँः

सहायता व संरक्षण हेतु निगम के विशेषज्ञों/अधिकारियों/कर्मचारियों का समूह उपलब्ध रहता है।

सम्पर्कः मुख्यालय, राज्य वित्त निगम,
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर 302005

वेबसाइट: www.rfc.rajasthan.gov.in

स्वरोजगार व इससे संबन्धित सहकारी योजनाएँ

सीमेंट, इस्पात, एल्युमिनियम, पेट्रोकेमिकल, उर्वरक, रसायन, प्लास्टिक, शीशा आदि बड़े और करोड़ों की पूँजी से स्थापित किए जाने वाले उद्योगों के अलावा अनेक लघु व कुटीर उद्योगों में स्वरोजगार पाया जा सकता है। फिल्म, रत्न व आभूषण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र, रियल एस्टेट, चीनी उद्योग, कृषि क्षेत्र, पशुपालन व डेयरी, मछलीपालन, फल–फूल उत्पादन, पोल्ट्री फार्म, मधुमक्खीपालन, रेशमपालन, केंचुएपालन जूट व चूड़ी उद्योग जैसे अनेक क्षेत्र हैं।

बढ़ती हुई जनसंख्या और उसके परिणाम स्वरूप बढ़ती हुई बेरोजगारी देश के समक्ष एक जटिल समस्या के रूप में विद्यमान है। इस समस्या के निदान के लिए सरकारी, गैर सरकारी, स्वयं सेवी संस्थाएँ तथा उससे जुड़े हुए व्यक्ति कुछ न कुछ उपाय ढूँढने और उसे क्रियान्वित करने में लगे हुए हैं।

सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न प्रमुख योजनाएँ निम्नांकित हैंः–

1. प्रधानमंत्री रोजगार योजना
2. ग्रामीण युवाओं हेतु स्वरोजगार कार्यक्रम (ट्राइसेम)
3. महिला एवं बाल विकास की कल्याणकारी योजनाएँ
4. ग्रामोद्योग स्थापित करने के लिए मार्जिन मनी योजना
5. प्रियदर्शिनी योजना–स्वरोजगार हेतु महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना
6. महिला चेतना योजना
7. राजस्थान वित्त निगम की योजनाएँः– महिला उद्यमी निधि, होटल, खनन, शो–रूम खोलने, चिकित्सा, हस्तशिल्प, पेइंग गेस्ट, विकलांग व्यक्ति को उद्यम, बीमार उद्योग पुनः चालू करने हेतु ऋण ,नवीन उत्पादों एवं आयात हेतु ऋण योजना, उपकरणों अथवा संयंत्रों की खरीद हेतु ऋण योजना आदि।

ऑटो सर्विस सेक्टर में रोजगार

भारतीय ऑटो इण्डस्ट्रीज दीर्घकालीन सम्भावनाओं से भरपूर उज्जवल भविष्य वाला सेक्टर है। वर्तमान में हमारे देश में हुंडई, सुजुकी और जनरल मोटर्स आदि मोटर उद्योग कम्पनियाँ कार्यरत हैं। सी.आई.आई. के अनुसार वर्तमान में ऑटो सेक्टर में लाखों लोगों को नियोजन प्राप्त है। इसके बावजूद इस सेक्टर में प्रभावी सेवा प्रदाता, स्पेयर्स मैनेजमेंट तथा सहायक गतिविधियों जैसे क्षेत्रों में कुशल प्रोफेशनल्स की माँग लगातार बढ़ती जा रही है। ऑटो सर्विस सेन्टर्स (फोर व्हीलर्स/टू व्हीलर्स) ऑटोमोबाइल सेक्टर के विभिन्न विषयों मे युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम का नामः–

- ❖ स्कूटर्स की मरम्मत तथा ओवर हॉलिंग
- ❖ मोटर साइकिल्स की मरम्मत तथा ओवर हॉलिंग
- ❖ थ्री–व्हीलर्स की मरम्मत तथा ओवर हॉलिंग
- ❖ इंजन सिस्टम (पेट्रोल/डीजल) की मरम्मत एवं ओवर हॉलिंग
- ❖ चेसिस सिस्टम (हल्के वाहन) की मरम्मत तथा ओवर हॉलिंग
- ❖ ऑटो एयर कंडीशनिंग सिस्टम की मरम्मत तथा ओवर हॉलिंग
- ❖ व्हील एलाइनमेन्ट एवं बैलेंसिंग
- ❖ ऑटो बॉडी की लघु मरम्मत तथा पेंटिंग
- ❖ डीजल फ्यूल इंजेक्शन टेक्नीशियन
- ❖ ऑटो इलेक्ट्रीकल्स एवं इलेक्ट्रोनिक सिस्टम की मरम्मत तथा ओवर हॉलिंग

न्यूनतम योग्यताः– 5वीं/8वीं उत्तीर्ण

प्रशिक्षण संस्थान–

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम

जे–8 ए, झालाना संस्थानिक क्षेत्र जयपुर

वेबसाइटः– www.rajasthanlivelihoods.org

आई केयर क्षेत्र में रोजगार

लक्ष्यः— राजस्थान के युवाओं को आई केयर क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करना। उन्हें स्वरोजगार उपलब्ध कराना तथा निजी नेत्र चिकित्सालयों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।

लाभान्वित वर्गः—युवा उद्यमी, बेरोजगार युवा, निजी नेत्र चिकित्सालय से जुड़े संस्थान।

कोर्स का नामः ऑप्टीमेट्रिस्ट सह ऑप्टीशियन (ऑप्थेलमिक टेक्नीशियन)

कोर्स अवधिः

1. 70 दिवस / 420 घंटे (गैर—आवासीय) फीस— 6300 रु.
2. 53 दिवस / 420 घंटे (आवासीय) फीस— 13500 रु.

आवेदन प्रक्रिया : आवेदन प्रक्रिया हेतु विभाग की वेबसाइड से आवेदन पत्र तथा अन्य विवरण प्राप्त किया जा सकता है।

सम्पर्क सूत्र : राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम
जे 8 ए झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर।

वेबसाइट: www.rajasthanlivelihoods.org

खादी ग्रामोद्योग तकनीकी प्रशिक्षण

खादी ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र पुष्कर द्वारा निम्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किये जाते हैं –

1. **प्रशिक्षण का नामः** लैपटाप हार्डवेयर
   समय अवधिः 2 माह
   शैक्षणिक योग्यताः 10वीं पास

2. **प्रशिक्षण का नामः** कम्प्यूटर रिपेयर (हार्डवेयर)
   समय अवधिः 2 माह
   शैक्षणिक योग्यताः 10वीं पास

3. **प्रशिक्षण का नामः** मोबाइल रिपेयर
   समय अवधिः 2 माह
   शैक्षणिक योग्यताः 10वीं पास

4. **प्रशिक्षण का नामः** कम्प्यूटर ऑपरेटिव एवं अकाउंटिंग
   समय अवधिः 2 माह
   शैक्षणिक योग्यताः 10वीं पास

5. **प्रशिक्षण का नामः** हाउस वायरिंग एवं मोटर वाईंडिंग
   समय अवधिः 2 माह
   शैक्षणिक योग्यताः 8वीं पास

प्रशिक्षण की विशेषताः

1. प्रशिक्षण पूर्णतया निःशुल्क।
2. प्रशिक्षण केन्द्र पुष्कर में ठहरने (आवास) की निःशुल्क व्यवस्था।
3. प्रशिक्षण के दौरान प्रतिमाह छात्रवृति देय।
4. प्रशिक्षण दक्ष मास्टर ट्रेनर व सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण।
5. विज्ञापन जारी होने के बाद आवेदन पत्र जिले के जिला उद्योग केन्द्रों पर ही प्रस्तुत किया जाता है।

आयु सीमाः 18 से 35 वर्ष।

सम्पर्क – खादी ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, पुष्कर।

सुरक्षा क्षेत्र में रोजगार

युवाओं हेतु सुरक्षा क्षेत्र में रोजगार के अवसर विकसित करने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेन्सियों द्वारा सरकारी, निजी कार्यालयों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षाकर्मी की भर्तियाँ की जाती हैं।

पात्रताः– आयु 18 वर्ष से 35 वर्ष

शैक्षणिक योग्यताः– 8वीं उत्तीर्ण

पद का नामः– 1. निजी सुरक्षा गार्ड

2. इण्डस्ट्रीयल सुरक्षा गार्ड

3. जनरल सुरक्षा गार्ड

दक्षता आंकलन व प्रमाणीकरणः–प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान अर्जित दक्षताओं के प्रमाण पत्र प्रमाणीकरण सरकारी संस्थानों द्वारा किया जाता है।

कोर्स शुल्कः– सामान्य वर्ग 600 रु. तथा ST/SC/OBC/ महिला हेतु 300 रु.।

वेतनमानः– न्यूनतम 5000 रु. प्रतिमाह (राजस्थान में)

न्यूनतम 7900 रु. प्रतिमाह (राजस्थान के बाहर)

रोजगार के अवसर– युवाओं को सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न निजी संस्थानों, कम्पनियों तथा संगठनों में रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

प्रशिक्षण संस्थान एवं एजेन्सीजः– (प्रशिक्षण संस्थान सिक्युरिटी गार्ड)

1. निर्वाण जेड सिक्योरिटी सर्विस

   बीकानेर, जयपुर, झुंझुनु, नागौर, जयपुर।

2. क्लिफ फोर्ड फेसिलिटीज सर्विसेज

   अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, चित्तौड़, जयपुर, उदयपुर।

3. ऑरियन सिक्युरिटी सॉल्युशन

   बाड़मेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर।

4. S.L.V. सिक्योरिटी सर्विस लिमिटेड

   सिरोही, पाली, नागौर, चुरू, दौसा।

संस्थानः– राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम

जे–8 ए, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर।

टिफिन व्यवसाय

योग्यताः

1. पाक कला/खाना बनाने में पारंगत।
2. व्यवहार कुशल।
3. कुशल व्यवस्थापक।

विक्रय के अवसरः

1. व्यक्तिगत सम्पर्कों के माध्यम से।
2. लघु स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में।
3. होस्टल में रहने वाले व्यक्तियों हेतु टिफिन भेजना।
4. बाहर से आए बेचलर्स के भोजन हेतु टिफिन व्यवस्था करना।

आयः– न्यूनतम 5,000 से 10,000 तक। (अनुमानित)

कुकिंग में रोजगार

योग्यताः

1. पाक कला में पारंगत।
2. व्यवहार कुशल।
3. सफाई व स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने वाला।
4. धैर्यवान, नम्र स्वभाव, कुशल व्यवस्थापक।

रोजगार के अवसरः

1. विभिन्न पाटियों में।
2. लघु स्तर के कार्यक्रमों में।
3. धार्मिक कार्यक्रमों में।
4. निजी आवश्यकतानुसार।

आयः न्यूनतम 300 से 500 रु. प्रतिदिन। (अनुमानित)

महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम मंत्रालय तथा भारत सरकार द्वारा महिलाओं के लिये उद्योगों और सेवाओं में रोजगार उपलब्ध कराने के लिये कई तरह के तकनीकी कौशल और दक्षता वृद्धि हेतु कोर्स संचालित किए जाते हैं। इन कोर्सेज के माध्यम से कॅरियर के अवसरों का उपयोग किया जा सकता है।

योग्यता– नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर वूमेन तथा कई क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थाओं से निम्न क्षेत्रों में सर्टिफिकेट/डिप्लोमा किया होना चाहिए–

1. सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस
2. आर्किटेक्चरल ड्राफ्टमैनशिप
3. डी.टी.पी. ऑपरेटर
4. हैयर एण्ड स्किन केयर
5. ब्यूटी कल्चर एण्ड हैयर ड्रेसिंग
6. आर्किटेक्चरल असिस्टेन्टशिप
7. फैशन डिजाइन
8. पैटर्न एण्ड कटिंग मास्टर
9. मॉडल मेकिंग
10. सिलाई मशीन ऑपरेटिंग
11 ज्वैलरी डिजाइन
12. कास्टिंग प्रोसिस
13. फैशन एण्ड एसेसरीज डिजाइन क्षेत्र
14. कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट
15. परिधान निर्माण, कशीदाकारी व सूचीकर्म
16. फैशन सेम्पलिंग एण्ड कोर्डिनेशन
17. इन अपेरल मैन्यूफेक्चरिंग
18. प्रोडक्शन सुपरवाइजर एण्ड क्वालिटी कन्ट्रोल
19. फिनिशिंग एण्ड पैकेजिंग सुपरवाइजर

रोजगार के अवसर–विभिन्न कार्यालयों, औद्योगिक इकाईयों आदि में रोजगार के अवसर होते हैं। साथ ही स्वयं का स्व रोजगार भी संचालित किया जा सकता है।

श्रृंगार से स्वरोजगार

महिलाओं में सौन्दर्य के प्रति विशेष जागरूकता बढ़ी है। महिलाएँ ब्यूटी पार्लर व्यवसाय को विशेष महत्व देती है। प्रत्येक आयुवर्ग की महिलाएँ ब्यूटी पार्लर जाने की इच्छुक है। ब्यूटी पार्लर में नई तकनीक का विकास तीव्र गति से हो रहा है। नये उपकरणों और नये सौन्दर्य प्रसाधनों ने लोगों को इस और अधिक आकर्षित किया है। आधुनिक परिप्रेक्ष्य में महिलाओं में उद्यमिता का विकास हुआ है।

योग्यताः– ब्यूटी पार्लर/ब्यूटीशियन मे डिप्लोमा

रोजगार के अवसरः– सौन्दर्य विशेषज्ञ, दूरदर्शन एवं फिल्म मेकअप विशेषज्ञ आदि में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

कुछ महत्वपूर्ण स्वरोजगार

A. परम्परागत स्वरोजगार के साधनः–

1. बेकरी उद्योग
2. मुर्गीपालन
3. मछलीपालन
4. एक्वेरियम निर्माण
5. सिलाई उद्योग
6. डेयरी उद्योग
7. कालीन बुनाई उद्योग
8. चर्म शिल्प उद्योग
9. इत्र निर्माण उद्योग
10. धागा उद्योग
11. पैकेजिंग उद्योग

12. हस्तनिर्मित कागज उद्योग

13. रेशम कीटपालन उद्योग

14. पशुपालन उद्योग

15. फल एवं सब्जी की खेती

16. फुलों की खेती

17. गुलाल, रंगोली, बिन्दी, मेहन्दी उद्योग

18. फर्निचर उद्योग

19. मोमबत्ती उद्योग

20. हवाई चप्पल उद्योग

21. बुनाई व खादी की बुनाई

22. मिट्टी और प्लास्टर ऑफ पेरिस के खिलौने उद्योग

23. ट्री घास (बांस) द्वारा सजावटी सामान का निर्माण

24. आचार, मुरब्बा, जैम, जैली, पापड़, मसाला, नमकीन उद्योग

25. लाख व जूट से बनी सजावट की सामग्री

26. खजूर की पत्तियों से चटाई, पंखी एवं झाड़ू बनाना

27. जिल्द साजी, लिफाफा बनाना

B. तकनीकी आधारित स्वरोजगार

1. टेलीफोन बूथ
2. मोटर/हाउस वाईंडिंग
3. टी.वी. मोबाइल, रेडियो, मैकेनिक
4. मिनरल वाटर
5. फोटोस्टेट एण्ड लेमिनेशन
6. फोटोग्राफी आदि

ज्वैलरी डिजाइनर

भारत विभिन्न संस्कृतियों का संगम स्थल है। यहाँ विभिन्न अवसरों पर कई प्रकार की सांस्कृतिक छटाऐं देखने को मिलती है। इनमें आभूषणों का अपना एक अलग महत्व है। इस व्यवसाय के ज्यादा फैलने का कारण गहनों का सांस्कृतिक व संस्कारिक रूप है। यह क्षेत्र विदेशी मुद्रा अर्जन का एक सशक्त माध्यम है। अतः इस क्षेत्र में भी रोजगार के कई अवसर हैं।

योग्यता – डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन

सर्टिफिकेट इन ज्वैलरी डिजाइन

रोजगार के अवसरः– इसमें कई प्रकार के ज्वैलरी डिजाइन, पंच वर्किंग, स्टोन सेटिंग, डेकोरेटिव एवं प्रोसेसिंग वर्क, प्रोटेक्ट, फिनिशिंग, पोलिशिंग एवं प्लाटिंग, कॉस्ट्यूम एवं फैशन ज्वैलरी, कम्प्यूटर डिजाइनिंग, मार्केट रिसर्च, मास्टर मेकिंग तथा बिजनेस स्टडीज आदि कार्य कुशल कारीगरों द्वारा किया जाता है।

संस्थानः–

1. दी जैम एण्ड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, एम.आई. रोड़, जयपुर।
2. पर्ल एकेडमी, जयपुर ।
3. विजन इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइनिंग, रुचिका कॉम्प्लेक्स ,किसान मार्ग, जयपुर।

टैक्सटाइल डिजाइनर

टैक्सटाइल डिजाइनिंग ग्लैमरपूर्ण आय प्रधान और रचनात्मक संतुष्टि वाला व्यवसाय है। आज भारत में जगह–जगह फैशन शो का आयोजन हो रहा है, अनेक प्रतिष्ठित लोगों के नाम इससे जुड़ गए हैं। आज के इस युग में एक्सपोर्ट हाउस की प्रगति ने इस क्षेत्र में कॅरियर के अन्तर्गत नया आयाम जोड़ा है।

योग्यता – डिप्लोमा इन टैक्सटाइल

डिप्लोमा इन फैशन डिजाइन

परिधान निर्माण व फैशन कार्डिनेशन में डिप्लोमा

अन्य योग्यताएँ:–

1 कल्पनाशील हो।

2 चित्रकला में दक्ष हो।

3 रेखाचित्र बनाने में दक्ष हो।

4 विभिन्न डिजाइनों से नई डिजाइन बनाने में दक्ष हो।

5 टेलरिंग में दक्षता, कटिंग, सिलाई एवं विभिन्न फैब्रिक्स का ज्ञान हो।

रोजगार के अवसर :– वस्त्र प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं जैसे–डिजाइनर, सहायक डिजाइनर, स्केचर, कटिंग सहायक, जूनियर डिजाइनर, फैशन शो प्रबन्धक आदि। फैशन डिजाइनर स्वयं का वस्त्र निर्माण उद्योग एवं फैशन डिजाइनिंग उद्योग स्थापित कर सकता है। साथ ही अन्य संस्थानों के साथ साझा वस्त्र निर्माण कार्य प्रारम्भ कर उन्हें विदेशी बाजारों में विक्रय कर अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1 नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलोजी, नई दिल्ली।

2 एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुम्बई।

3 नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन, जयपुर।

पत्रकारिता क्षेत्र

दुनिया में हो रहे तीव्र परिवर्तनों के सम्बन्ध में ज्यादा विकास संचार के क्षेत्र में ही हुआ है। इधर हाल के वर्षों में पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में प्रशिक्षित कर्मियों की मांग तेजी से बढ़ी है। पत्रकारिता से जुड़े लोगों के लिये अनेक नवीन क्षेत्र खुले हैं। युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ा है।

इस क्षेत्र में पत्रकार, संवाददाता, एन्कर, विडियोग्राफर आदि से संबंधित कई ऐसे अवसर हैं जिनमें विद्यार्थी अपना कॅरियर बना सकता है।

योग्यता – डिप्लोमा इन जर्नलिज्म

डिप्लोमा इन एन्करिंग

B.J.M.C (डिग्री कोर्स)

अतिरिक्त योग्यताः–

1 भाषा पर पूरा अधिकार हो।

2 स्वस्थ शरीर हो और लगातार दबाव में भी काम करने की क्षमता हो।

3 समाज व आसपास में हो रही घटनाओं में रुचि हो तथा इन घटनाओं के निरन्तर प्रेक्षण, निरीक्षण विश्लेषण व प्रस्तुतीकरण में भी रुचि रखते हो।

4 अध्ययनशील, सद्व्यवहारी हो।

रोजगार के अवसरः–आज देश भर में कई समाचार पत्र, पत्रिकाओं व समाचार चैनलों में रोजगार के असंख्य अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही वेबसाइट व न्यूज पोर्टल तथा एफ.एम रेडियो ने भी अवसरों की उपलब्धता में वृद्धि की है।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1 राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।

2 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।

3 राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।

4 माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल।

कला क्षेत्र में रोजगार

बच्चों को विद्यालय में कला अथवा हस्तकला आवश्यक रूप से सिखाई जाती है। अनेक बच्चों को चित्रकला का विशेष शौक होता है और वे ''ऑन द स्पोट'' प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतते हैं। प्रायः लोग यह कहकर कला के क्षेत्र में जिज्ञासु लोगों हताश कर देते हैं कि कलाकार पैसों के लिए जिन्दगी भर संघर्ष करते हैं फिर भी भूखे मरते है। जबकि यह धारणा सर्वथा गलत है।

विभिन्न कलाएँ :–

1 पेन्टिंग (Painting)
2 मूर्ति कला (Sculpture)
3 कामर्शियल आर्ट (Commercial Art)
4 ग्राफिक आर्ट (Graphic Art)
5 अप्लाइड आर्ट (Applied Art)
6 कार्टून (Cartoon)

योग्यताः– डी.एफ.ए. (डिप्लोमा इन फाइन आर्ट्स)

बी.एफ.ए. (बेचलर ऑफ फाइन आर्ट्स)

रोजगार के अवसर :–

1. अप्लाइड आर्ट तथा कॉमर्शियल आर्ट के विशेषज्ञ ललित कला के पाठ्यक्रम करने के पश्चात् टी.वी. या फिल्मी स्टूडियो में काम कर सकते हैं।
2. कला के विशेषज्ञ किसी स्कूल अथवा कॉलेज मे शिक्षण कार्य कर सकते हैं।
3. अपना आर्ट स्कूल खोल सकते हैं।
4. कला स्टूडियो, विज्ञापन एजेन्सी, प्रकाशन गृह, समाचार पत्रक समूहों, वस्त्र डिजाइनिंग में लगी कम्पनियों में कार्य कर सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2 राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
3 वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान।
4 महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।

संगीत क्षेत्र में कॅरियर

संगीत मानव जीवन के लिए प्रकृति का एक अदभुत उपहार है। संगीत एक जादुई अनुभूति है इसका नशा प्रत्येक संवदेनशील प्राणी पर होता है। संगीत के क्षेत्र में निम्न प्रकार के कई कॅरियर हो सकते हैं –

1. गीतकार :–जिन्हें साहित्य में रुचि है साथ ही व्यावहारिक जीवन, परम्पराओं, सामाजिक मर्यादाओं का ज्ञान है, वे अच्छे गीतकार बन सकते हैं।

2. संगीतकार :–संगीत में स्वरों को सुव्यवस्थित कर गीत के आधार पर उसकी धुन तैयार करने का ज्ञान रखने वाले संगीतकार बन सकते हैं।

3. कम्पोजर :–एक गीत में कई प्रकार के वाद्यों का प्रयोग होता है। किस वाद्य का प्रयोग किस स्थान पर होना है या किसी विशेष गीत में कौन से वाद्य प्रमुखता से लेने हैं? इस कार्य में ज्ञान व रुचि रखने वाले कम्पोजर बन सकते हैं।

4. प्रबंधक :–अच्छा संगीत जन–जन तक पहुँचे, इसके लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता है। एक अच्छा प्रबंधक गीतकार, गायक, संगीतकार व संगीत कम्पनी के बीच समायोजन करता है। साथ ही उसकी एडवरटाइजिंग व मार्केटिंग भी देखता है। आजकल कई तरह के आयोजन दूरदर्शन के विभिन्न चैनल्स आयोजित कर रहे हैं।

5. प्रोड्यूसर :– ये बजट जुटाने से लेकर रिकार्डिंग तक सम्पूर्ण कार्य करते हैं।

6. संगीत शिक्षक :– विभिन्न शिक्षण संस्थानों में संगीत गुरु के रूप में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

7. गायक / गायिका:–एक सुमधुर आवाज का धनी अपने स्वरों के जादू से इस क्षेत्र में अपने लिए अच्छा स्थान बना सकता है।

8. वादक :–किसी विशेष वाद्ययंत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर रोजगार प्राप्त कर सकता है।

संगीत प्रशिक्षण संस्थान :–1. अजमेर म्यूजिक कॉलेज, अजमेर।

2. वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली।

3. गंधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली।

4. प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद।

5. भातखण्डे संगीत महाविद्यालय, लखनऊ।

विज्ञापन जगत में अवसर

किसी कम्पनी, संस्थान, उत्पाद निर्माता द्वारा अपने उत्पाद की जानकारी आम लोगों तक पहुँचाने के लिए टेलीविजन, फिल्म, पेपर, पत्रिकाएं, होर्डिंग, रेडियो एवं विज्ञापन फोटोग्राफी आदि के माध्यम से प्रदान करना ही विज्ञापन है। आज प्रत्येक बड़ी कम्पनी, उत्पाद निर्माता अपने प्रोडक्ट की जानकारी विज्ञापन के माध्यम से देते हैं।

पदः–

1 कॉपीराईटर
2 विजुलाइजर
3 स्क्रिप्टराईटर
4 बोर्ड आर्टिस्ट
5 क्रिएटिव हेड
6 एनीमिशन आर्टिस्ट
7 ग्राफिक डिजाइनर
8 पब्लिक–रिलेशन मैनेजर
9 फील्ड–पब्लिसिटी इंचार्ज
10 कॉर्पोरेट इमेज मैनेजर
11 क्रियेटिव आर्ट डायरेक्टर/प्लानर इत्यादि।

योग्यता :– फाइन आर्ट्स, पब्लिक–रिलेशन में डिग्री/डिप्लोमा तथा मल्टीमिडिया में पारंगत।

रोजगार के अवसरः– इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विस्तार से विज्ञापन का क्षेत्र एक संगठित उद्योग में बदल गया है, जहाँ काम की ढेरों संभावनाएँ उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में एक्जीक्यूटिव, मल्टीमीडिया विशेषज्ञ, फोटोग्राफर, टीवी प्रोड्यूसर, वेब डेवलपर, वेब प्लानर व मार्केटिंग पेशेवर सहित उक्त क्षेत्रों में भी काम किया जा सकता है।

संस्थान :–1. भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली।
2. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवरटाइजिंग, नई दिल्ली।
3. मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन, अहमदाबाद, गुजरात।

होटल व्यवसाय

भारत और विदेशों में हॉस्पिटेलिटी जॉब के लिए अनेक अवसर हैं। छोटे–बड़े होटलों की संख्या बहुत है। ऊँचा वेतन एवं आकर्षक सुविधाओं आदि के साथ–साथ प्रतिष्ठा से युक्त कॅरियर के रूप में होटल व्यवसाय युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। होटल व्यवसाय में अवसरों की कोई कमी नहीं है।

योग्यता– होटल मैनेजमेन्ट इन केटरिंग एण्ड न्यूट्रीशन

डिप्लोमा इन फ्रन्ट ऑफिस एण्ड होटल

(हाउस कीपिंग, कुकरी, फूड एण्ड बेवरीज सर्विस)

रोजगार के अवसरः– पाँच सितारा से लेकर छोटे होटल तक में एक्जीक्यूटिव शेफ, कुक, रिसेप्शनिस्ट, मैनेजर, वेटर, कैसिनो, स्पा, पर्यटन, क्लब, फूड सर्विस, केटरिंग, फूड रिटेलिंग, रूम सेवा, भोजनालय, व्यावसायिक विभाग, लेखा विभाग, सेल्स व मार्केटिंग, इंटीरियर सजावट आदि क्षेत्रों में काम किया सकता है।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट होटल खिदमत पुष्कर रोड़, अजमेर।
2. राजकीय पॉलीटेक्निक परिसर रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर।
3. इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी, उदयपुर।
4. नेशनल काउंसिल फोर होटल मैनेजमेंट एवं केटरिंग टेक्नोलोजी, नई दिल्ली।

एयर होस्टेस

हवाई यात्रा कम्पनियों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य होता है कि यात्रियों की यात्रा आरामदायक और सुखद हो। इसी संदर्भ में एयर होस्टेस का पद आवश्यक समझा गया है। सभी एयरलाइन्स चाहे वे राष्ट्रीय हो या अन्तर्राष्ट्रीय, एयर होस्टेस की नियुक्ति तो करते ही हैं। इसके लिए आवश्यक है कि उम्मीदवार अविवाहित हो एवं उसका व्यक्तित्व आकर्षक एवं शिष्टाचार से परिपूर्ण हो।

योग्यता :–

1 पर्यटन, होटल प्रबन्धन, नर्सिंग प्रशिक्षण एवं विदेशी भाषा जानने वाले को प्राथमिकता।

2 सुन्दरता, आकर्षक व्यक्तित्व, सौम्यता, व्यवहार कुशलता, शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता एवं दूरदृष्टि की जरूरत।

3 अविवाहित होना चाहिए।

4 हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा के साथ कुछ विदेशी भाषाओं का ज्ञान भी हो।

आयु :– 19 से 25 वर्ष

शारीरिक मापदण्ड :– कद–158 से 170 सें.मी. के मध्य

वजन– 96 से 128 पौण्ड

दृष्टि– सामान्य

रोजगार के अवसर:– देश–विदेश की विभिन्न निजी विमान कम्पनियाँ एयर होस्टेस के लिए रोजगार के अवसर उपलबध कराती हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1 एशियन इंस्टीटयूट ऑफ डवलपमेन्ट एण्ड एकेडमिक्स, सी–स्कीम, जयपुर।

2 फ्रेंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर हॉस्टेस ट्रेनिंग, मुम्बई।

3 किंगफिशर ट्रेनिंग एकेडमी, मुम्बई।

4 ए.एच.ए. एयर हॉस्टेस एकेडमी, नई दिल्ली।

एयर ट्राफिक मे कॅरियर

वायुमार्ग को नियन्त्रित करने तथा वायुयानों की परिवहन व्यवस्था का दायित्व एयर ट्राफिक कन्ट्रोलर का होता है जो ट्राफिक पुलिस या नियन्त्रक के समान कार्य करता है। ये ट्राफिक कन्ट्रोलर ही समस्त वायु परिवहन व्यवस्था को संचालित करते हैं और वायुयानों का परिचालन निर्धारित करते हैं। ये अधिकारी भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के अन्तर्गत कार्य करते हैं। इनका कार्य अत्यन्त सावधानी वाला होता है, क्योंकि जरा सी असावधानी भयंकर दुर्घटना को जन्म दे सकती है।

योग्यताएँ :– इस कार्य के लिए ऐसे व्यक्तियों का चयन किया जाता है, जो शारीरिक, मानसिक, तार्किक, बौद्विक रूप से सक्षम होने के साथ–साथ अपेक्षित शैक्षिक व तकनीकी योग्यता रखते हैं। उनमें तुरन्त निर्णय लेने की पर्याप्त क्षमता हो तथा उनका अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अच्छा हो ताकि आवश्यकता पड़ने पर वायुयान के पायलेट को जरूरी निर्देश दे सके।

एयरपोर्ट कार्यः–

1. एयरपोर्ट मैनेजमेन्ट 2. एयरलाइन मैनेजमेन्ट 3. इमरजेन्सी प्लानिंग
4. एयरपोर्ट प्लानिंग 5. एयरलाइन केयर्स 6. ई–टिकटिंग

पदः– एटीआर पायलेट, बोइंग पायलेट, फ्लाइट इंजीनियर, एयरक्रॉफ्ट इंजीनियर, शेफ कॉकपिट क्रू तथा एयरक्रॉफ्ट अटेंडेंट।

योग्यता–एयरपोर्ट मैनेजमेन्ट कोर्स/कामर्शियल पायलेट का लाइसेन्स + अनुभव

रोजगार के अवसर – एयर कार्गो सर्विस बिजनेस के गति पकड़ने व विमान यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण एयरलाइन उद्योग काफी तेजी से विकास कर रहा है। हमारे देश में नई एयरलाइन्स कम्पनियों के आने से फ्लाईटों की संख्या व एयरपोर्ट के आकार में बढ़ोतरी हुई है। एयरलाइन्स में काम करने के लिए इच्छुक व्यक्ति एटीआर पायलेट, बोइंग पायलेट, फ्लाइट इंजीनियर, एयरक्रॉफ्ट इंजीनियर, शेफ कॉकपिट क्रू, एयरक्रॉफ्ट अटेंडेंट, कार्गो फ्लाइट और चार्टर्ड फ्लाइट जॉब के तहत विभिन्न पदों पर काम कर सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान– 1. फ्लाईंग बर्ड एवीएशन, अहमदाबाद।

2. ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनोटिक्स, पटना।

पायलेट

आज संसार भर में लाखों यात्री हवाई यात्रा द्वारा एक–दूसरे स्थानों पर आते जाते हैं। दिन प्रतिदिन यात्री दबाव के चलते आज कई निजी कम्पनियाँ भी हवाई सेवाएँ देने लगी हैं। जो युवा उड्डयन क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक हैं, वे पायलेट के रूप में एक उच्च प्रतिष्ठित, अच्छे लाभ और वेतन भत्तों वाली नौकरी कर सकते हैं।

योग्यता :– पायलेट बनने से पूर्व तीन प्रकार के लाइसेंस लेना जरूरी होता हैं –

1. स्टूडेन्ट पायलेट लाइसेंस
2. प्राइवेट पायलेट लाइसेंस
3. व्यावसायिक पायलेट लाइसेंस

अभ्यर्थी के मस्तिष्क एवं शारीरिक अंगों में उचित ताल–मेल और समन्वय हो, हर परिस्थिति में पूर्ण शान्त, संयमी, आत्म–विश्वास, आत्म–नियंत्रण एवं व्यवहारिक सूझ–बूझ होना अपेक्षित है।

रोजगार के अवसर– हमारे देश में नई एयरलाइन्स कम्पनियों के आने से फ्लाईटों की संख्या व एयरपोर्ट के आकार में बढ़ोतरी हुई है। इस क्षेत्र में कई निजी तथा विदेशी एयरलाइन्स विश्व के विभिन्न भागों में परिवहन सेवाऐं उपलब्ध करा रही है। अतः इस क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. गुजरात फलाइंग क्लब, सिविल एरोड्रम, बड़ौदा।
2. राजीव गांधी मेमोरियल कॉलेज ऑफ एयरोनोटिक्स, जयपुर।

समाज सेवा में कॅरियर

समाज सेवा एक कला है, अर्थात् उपलब्ध संसाधनों एवं जुटाये जाने वाले साधनों का सही उपयोग कर उन्हें सही लोगों तक पहुँचाना ही समाज सेवा कहलाती है। समाजसेवी गरीबी, बेरोजगारी, असामाजिक तत्वों, पारिवारिक समस्याओं, अपगों और साधनों की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली सामाजिक समस्याओं को बढ़ने से रोकने का प्रयास करते हैं। समाज सेवा में कॅरियर की नई उँचाइयों को छुआ जा सकता है।

योग्यताः– बेचलर ऑफ सोशल वर्क

डिप्लोमा इन सोशल वर्क

व्यक्तिगत गुणः– अभ्यर्थी का उद्देश्य समाज सेवा, इच्छाशक्ति, जागरूकता, विचारों की स्पष्टता तथा व्यक्तिगत आदि बातों का ध्यान प्रमुख।

रोजगार के अवसरः–चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, वन एवं पर्यावरण, सामाजिक एवं घरेलू समस्याओं पर परामर्श, कुपोषण, युद्ध, राजनैतिक गतिविधियाँ, गरीबी, सामाजिक कुरीतियाँ आदि ऐसे सेवा क्षेत्र हैं। देश में सभी बड़ी कम्पनियाँ अपने अधीन एक समाज सेवा विभाग संचालित करती हैं, जो प्राकृतिक आपदाओं सहित समाज में व्याप्त अन्य समस्याओं के निवारण के लिए समाज सेवा का कार्य करती है। अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियां भी इसी तरह की विंग संचालित करती हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
4. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
5. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुम्बई।

विधि विशेषज्ञ

विधि को रोजगार के रूप में अपनाने के लिए कुछ व्यक्तिगत क्षमताओं व विषय संबंधी दक्षता का होना जरूरी है। वादी–प्रतिवादी के वकील तथा जज सभी विधि के रोजगार से जुड़े हुए हैं। कानून और नियमों के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष साबित करने का दायित्व इस क्षेत्र से जुड़े लोगों का है।

योग्यता– बी.ए.एल.एल.बी. (क्लेट के माध्यम से प्रवेश)

डिप्लोमा इन टैक्सेशन लॉ, क्रिमिनल लॉ, लेबर लॉ

रोजगार के अवसर:– पिछले दशक में वकालत की डिग्री व प्रैक्टिस को लेकर काफी बदलाव हुए हैं। कानून की पढ़ाई करने के बाद वकील, लोक अभियोजक, न्यायाधीश, एटॉर्नी काउंसेल, लीगल सुपरिटेंडेंट, लीगल असिस्टेंट, लीगल एडवाइजर, डिप्टी एडवाइजर, लॉ ऑफिसर, मजिस्ट्रेट बना जा सकता है। साथ ही कर कानून, अन्तर्राष्ट्रीय कानून, श्रम कानून, कार्पोरेट लॉ, प्रापर्टी लॉ, कॉपीराइट लॉ, हयूमन राइट लॉ, एक्साइज लॉ, फैमिली लॉ, इत्यादि विधि में कॅरियर के विभिन्न क्षेत्र हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3 नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर।

पब्लिक रिलेशन ऑफिसर

पब्लिक रिलेशन ऑफिसर का काम अपने संस्थान की नीतियों और उसकी सफलताओं को संबंधित जन तक पहुंचाना होता है। इसके अलावा किसी भी पी.आर. ओ. को अपनी कम्पनी की नई नीतियों या एक्टिविटीज को खबरों में लाने के लिए सभी मीडिया हाऊसेज से अच्छे रिश्ते बनाने पड़ते हैं।

योग्यता :– डिप्लोमा/डिग्री इन पी.आर.ओ.

संस्थान :–

1 इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक रिलेशन, नई दिल्ली।
2 साउथ दिल्ली कॉलेज ऑफ पॉलीटेक्निक फॉर वूमेन, नई दिल्ली।

खेल जगत

आदिकाल से ही खेलों को मनोरंजन एवं शारीरिक व्यायाम का साधन माना जाता रहा है। आधुनिक युग में खेल केवल मनोरंजन या शौक ही न होकर कॅरियर निर्माण का एक सुदृढ़ क्षेत्र बन गया है, जिसमें रोजगार के अनेक क्षेत्र मौजूद हैं।

योग्यता– C.P.Ed., D.P.Ed., B.P.E. आदि।

रोजगार के अवसरः– विद्यार्थी के लिए खेल प्रशिक्षक, शारीरिक शिक्षक, खिलाड़ी, एडवेंचर स्पोर्टस शॉप, गेम्स ट्रेनिंग स्कूल, फिटनेस सलाहकार एवं फिटनेस सेंटर, एरोबिक्स सलाहकार एवं सेंटर, खेल प्रशिक्षक या खेल सामग्री मैन्यूफेक्चरर, स्पोर्ट्स मैनेजर, स्पोर्ट्स एजेंट, स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर, स्पोर्ट्स मार्केटिंग एडवाइजर, स्पोर्ट्स कम्पनी कॉर्डिनेटर और स्पोर्ट्स साइकोलोजिस्ट आदि रोजगार के प्रमुख विकल्प हैं।

प्रशिक्षण संस्थान–

1. राजकीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, जोधपुर।
2. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण संस्थान, पटियाला।
3. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
4. महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।

योग प्रशिक्षक

वर्तमान में योग देश–विदेश में लोकप्रिय हुआ है। इस कारण से योग के क्षेत्र में कॅरियर के बहुत ही अच्छे अवसर उत्पन्न हो गये हैं।

योग्यता– डिप्लोमा इन योगा

रोजगार के अवसरः– आजकल पांच सितारा होटलों में योग अध्यापकों की निरन्तर मांग रहती है। होटलों में योग सिखाने वाले व्यक्तियों को अच्छी तनख्वाह मिलती है। यहाँ से उन्हें कुछ निजी क्लाइंट भी मिल सकते हैं। हेल्थ क्लब में योग प्रशिक्षकों की मांग रहती है। अनेक वृद्ध, बीमार, विकलांग लोगों को नियमित योग अभ्यास की आवश्यकता होती है, उनके घर जाकर योग का शिक्षण देकर योग प्रशिक्षक अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
2. राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4 महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।

पर्वतारोहण प्रशिक्षण

पर्वतारोहण में प्रशिक्षण प्राप्त कर आप सार्वजनिक व निजी विभाग में अपनी योग्यतानुसार कार्य कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त स्वयं का प्रशिक्षण संस्थान खोल सकते हैं। पर्वतारोहण की विभिन्न श्रेणियाँ हैं जैसे :–

1 ट्रेकिंग– इसमें किसी वाहन के साथ पहाड़ों की उँचाई मापना है।

2 हाइकिंग– हाइकिंग में बहुत दुर्गम पहाड़ों पर पैदल चलने हेतु रास्ते चुने जाते हैं।

3 रॉक क्लाइम्बिंग– रॉक क्लाइमिंग के अन्तर्गत चट्टानों पर चढ़ना होता है।

4 माउन्टेनियरिंग– इसमे पैदल दुर्गम, सीधे व बीहड़ रास्तों से पहाड़ों की उँचाई नापना है।

योग्यताः– डिप्लोमा इन एडवेंचर स्पोर्ट्स

डिप्लोमा इन रॉक क्लाइम्बिंग

रोजगार के अवसर :– रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रेकिंग, माउन्टेनियरिंग, बैलूनिंग, बंजी जम्पिंग, कैंपिंग, रिवर क्रॉसिंग व केनोइंग आदि क्षेत्र आते हैं जिनमें कॅरियर की अच्छी संभावनाएं देश में बनने लगी हैं। इसके अलावा एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में एडवेंचर कैंप कोर्डिनेटर, एडवेंचर ट्यूर ऑपरेटर आदि में भविष्य बना सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान–

1 एडवेंचर एकेडमी ऑफ राजस्थान, जयपुर।

2 नेशनल एडवेंचर फाउण्डेशन, जयपुर।

3 माउन्टेनियरिंग एण्ड एडवेंचर इंस्टीट्यूट ऑफ राजस्थान, जयपुर।

4 इंडियन स्कीइंग एण्ड मान्उटेनियरिंग इंस्टीट्यूट, गुलमर्ग (जम्मू कश्मीर)।

आपदा प्रबन्धन विशेषज्ञ

तेजी से बदलते मौसम चक्र और बढ़ रही प्राकृतिक आपदाओं के इस दौर में प्राकृतिक एवं मानवजन्य आपदाओं से जूझने की कुशल रणनीति बनाने का प्रबन्ध आपदा प्रबन्धन के अन्तर्गत किया जाता है। देश के विभिन्न आपदाग्रस्त क्षेत्र का आंकलन, आपदा उपरान्त पुनर्वास में सहायता, आपदा के नकारात्मक प्रभावों को मानसिक एवं साइकोलोजिकल तरीकों से कम करने में योगदान देना, भविष्य में उन क्षेत्रों के बारे में आपदा व प्रबन्धन संबंधित सुझाव देना आपदा प्रबन्धन में सम्मिलित है।

योग्यताः– 1. डिजास्टर मैनेजमेंट में डिप्लोमा

2. पब्लिक सेफ्टी व आपदा प्रबन्ध में अल्पावधि कोर्स

रोजगार के अवसरः– रोजगार के लिए किसी एन.जी.ओ, शासकीय आपदा सेल, अनुबंध आधारित पुनर्वास के सहयोग, प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठन जैसे रेडक्रॉस आदि में कार्य करने के साथ आपदा शिक्षण और विदेशों में आपदा से जुड़ी एजेंसियों के साथ अच्छे कार्य के अवसर उपलब्ध हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. नेशनल सिविल डिफेंस कॉलेज, नागपुर।
2. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
3 महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।
4 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोलोजी एण्ड इंवायरमेंट, नई दिल्ली।
5 इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

पर्यटन क्षेत्र में कॅरियर

वर्तमान में ट्रेवल एण्ड टूरिज्म दुनियाभर में तेजी से उभरता हुआ व्यवसाय है। भारत में पर्यटन को उद्योग का दर्जा हासिल है। सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ बना रही है। आज इस क्षेत्र में 60 लाख से भी अधिक लोगों का भविष्य जुड़ा है। शिक्षित, आकर्षक, संस्कारित तथा बहुमुखी प्रतिभा वाले युवक–युवतियाँ इस क्षेत्र में अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

योग्यता– पर्यटन प्रबंध में डिप्लोमा/डिग्री/सर्टिफिकेट कोर्स/विदेशी भाषाओं में प्रशिक्षण कोर्स।

रोजगार के अवसर :–पब्लिक सेक्टर, टूरिज्म ऑफिसर इन्फॉरमेशन असिस्टेन्ट, टयूरिस्ट गाइड आदि के रूप में पब्लिक और प्राइवेट क्षेत्र में अवसर उपलब्ध हैं। पर्यटन उद्योग में एयरलाइंस एवं इससे संबंधित क्षेत्र, ट्रेवल एजेंट, रिजर्वेशन एजेंट, टूर ऑपरेटर, ट्रेवल गाइड, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर, भाषा विशेषज्ञ, इवेंट कोर्डिनेटर, इवेंट मैनेजर, व्हीकल सप्लायर, एडवेंचर ट्यूरिज्म गाइड, आदि में सुनहरे अवसर उपलब्ध हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1 इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

2 मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।

3 जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।

4 इंस्टीट्यूट ऑफ टयूरिज्म एण्ड फैशन टेक्नोलोजी सिविल लाइन्स, जयपुर।

5 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेवल एण्ड ट्यूरिज्म मैनेजमेंट, नई दिल्ली।

आर्किटेक्चर में कॅरियर

बढ़ती जनसंख्या और औद्योगिकीकरण के कारण पर्यावरण, आवास, यातायात आदि से संबंधित समस्याओं के निवारण में योजनाकार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रोजाना नए निर्माण कार्यों और उनमें उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ ही आर्किटेक्चर्स की मांग भी बढ़ने लगी है। छोटे शहरों में भी लोग अपना मकान बनाने के लिए आर्किटेक्ट की सेवाएँ लेना उचित समझने लगे हैं, ताकि उनके सीमित स्थान का ज्यादा से ज्यादा सही उपयोग हो सकें तथा मकान आधुनिक ढंग से भव्य और मनमोहक बन सकें।

योग्यता – आर्किटेक्चर में डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त

रोजगार के अवसर–विभिन्न शहरी विकास संगठनों, डेवलपर्स, बिल्डर्स तथा स्वयं का व्यवसाय किया जा सकता है। शहरीकरण, औद्योगिकीकरण के दौर में आवास, कार्यालय, संस्थानों के निर्माण में आर्किटेक्चर के लिए रोजगार के कई अवसर होते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान – 1 इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स ऑफ इंडिया, दिल्ली।

2 चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, चंडीगढ़।

अध्यापन में कॅरियर

किसी भी देश के सामाजिक व आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। पहले की तुलना में आज शिक्षण के क्षेत्र में अधिक अवसर उपलब्ध हैं। शिक्षण का क्षेत्र काफी विस्तृत है। विद्यालयी शिक्षा में शिक्षण कार्य करवाने के लिए उचित योग्यताधारी शिक्षकों की आवश्यकता होती है। इसके लिए विभिन्न प्रकार के अध्यापक जैसे पूर्व प्राथमिक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक, तृतीय श्रेणी, द्वितीय श्रेणी, प्रथम श्रेणी शिक्षक तथा विशेष शिक्षा शिक्षक आदि होते हैं। इस हेतु निम्न पात्रताधारी विद्यार्थियों के लिए रोजगार के कई अवसर होते हैं।

योग्यता:– -N.T.T./ J.B.T/D.Ed./B.S.T.C./B.EL.Ed./-B.Ed./B.P.Ed आदि।

रोजगार के अवसर :–उक्त योग्यताधारी व्यक्ति संबंधित विषय मे कॉर्पोरेट तथा निजी शिक्षण संस्थानों में शिक्षण कार्य कर सकते हैं। स्वयं का ट्यूशन सेन्टर, कोचिंग सेन्टर या पुस्तक लेखन का कार्य कर सकते हैं। साथ ही गैर सरकारी संगठनों के साथ भी काम कर सकते हैं। टेक्निकल व इंजीनियरिंग फैकल्टी, कम्प्यूटर व आई.टी टीचर के अलावा ग्राफिक्स टीचर, मल्टीमिडिया फैकल्टी, रोबोटिक्स टीचर, फाइन आर्ट टीचर, मार्शल आर्ट ट्रेनर, स्पोर्ट टीचर बन सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

शिक्षा विभाग राजस्थान व निजी संस्थान (N.T.T./-D.Ed./B.S.T.C./ B.EL.Ed) तथा राज्य के समस्त विश्वविद्यालय (B.Ed.) अध्यापन संबंधि पाठ्यक्रम करवाते हैं।

आहार विशेषज्ञ

फूड टेक्नोलोजी में खाद्य पदार्थों के जैव रासायनिक विश्लेषण के साथ उनको सुरक्षित रखने की विभिन्न विधियों की जानकारी दी जाती है। इसमें खाद्य पदार्थों की पैकिंग, डी–हाईड्रेशन, फ्रीजिंग एवं खमीरीकरण की तकनीकों को सिखाया जाता है।

योग्यता – फूड टेक्नोलोजी में सर्टिफिकेट अथवा डिग्री

रोजगार के अवसर – फूड टेक्नोलोजी पाठ्यक्रम पूरा करने पर होटल एवं रेस्टोरेंट, फूड कम्पनी, आइसक्रीम फेक्ट्री, पोल्ट्री फार्म तथा फल संरक्षण में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। निम्न संस्थानों से फूड टेक्नोलोजी के विभिन्न सर्टीफिकेट डिप्लोमा अथवा उपाधि पाठ्यक्रम किए जा सकते है :–

संस्थान–1. कॉलेज ऑफ डेयरी एण्ड फूड साइन्स टेक्नोलोजी, उदयपुर।

2. कॉलेज ऑफ टेक्नोलोजी एण्ड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, उदयपुर।

3. महर्षि दयानन्द सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर।

रेडियोग्राफर

रेडियोएक्टिव किरणों व रेडियोएक्टिव आइसोटॉप्स के माध्यम से विभिन्न प्रकार की शारीरिक बीमारियों की जाँच की जाती है। इस प्रणाली का प्रमुख बिन्दु एक्स–रे निकालना होता है। एक्स–रे से शरीर का अन्दरूनी चित्र उभरकर सामने आ जाता है, जिसके माध्यम से डॉक्टर बीमारी की जाँच करते हैं।

योग्यता:– रेडियोग्राफी में डिग्री अथवा डिप्लोमा कोर्स

रोजगार के अवसर :– चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रान्ति की आशा और उज्जवल भविष्य की संभावना होने के कारण ही देश के लगभग सभी सरकारी मेडिकल इंस्टीट्यूट में रेडियोग्राफी के कोर्स की व्यवस्था की गई है। इस प्रणाली का क्षेत्र अधिक विस्तृत व व्यापक हो चुका है। इसमें रोजगार की संभावनाएँ बढ़ती जा रही हैं।

प्रशिक्षण संस्थान:–

1 राजस्थान के समस्त मेडिकल कॉलेज सें यह कोर्स किया जा सकता है।

2 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी रोड, नई दिल्ली।

3 इंस्टीट्यूट फॉर फिजिकल हेल्थ एण्ड हाईजीन, महिपालपुर, नई दिल्ली।

चिकित्सा क्षेत्र में कॅरियर

एलोपैथिक चिकित्सक

चिकित्सा क्षेत्र में एम.बी.बी.एस. योग्यताधारी एलोपैथी चिकित्सक के रूप में अपना कॅरियर बना सकते हैं।

योग्यताः– M.B.B.S. (बेचलर ऑफ मेडिसिन एण्ड बेचलर ऑफ सर्जरी)

दन्त चिकित्सक

विद्यार्थी दन्त चिकित्सक बन कर अपनी सेवाएं दे सकता है। बी.डी.एस. की डिग्री M.B.B.S. के समकक्ष ही होती है।

योग्यताः– B.D.S. (बेचलर ऑफ डेन्टल सर्जरी)

संस्थान 1. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।

आयुर्वेद चिकित्सक

वर्तमान समय में आयुर्वेद का प्रचार–प्रसार बहुत तेजी से हो रहा है। इसमें जड़ी बूटियों द्वारा इलाज किया जाता है। इस चिकित्सा की एक विशेषता यह भी है कि यह चिकित्सा के साथ–साथ एक सम्पूर्ण जीवन जीने की कला भी सिखाती है।

योग्यताः– B.A.M.S. (बेचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी)

रोजगार के अवसर :– आयुर्वेद चिकित्सक पंचकर्म चिकित्सा के क्षेत्र में स्वयं का क्लिनिक आरंभ कर सकते हैं। निजी चिकित्सालय में चिकित्सक बन कर सेवाएँ दी जा सकती हैं।

संस्थान :– इस चिकित्सा पद्वति के अध्ययन केन्द्र राजस्थान में निम्नलिखित है।

1 डॉ. एस. राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर।

2 मदनमोहन मालवीय राज. आयुर्वेद महाविद्यालय, उदयपुर।

होम्योपैथी चिकित्सक

आज होम्योपैथी चिकित्सा के प्रति लोगों का नजरिया बदल रहा है। धीरे–धीरे यह चिकित्सा पद्धति लोकप्रिय हो रही है। इसके द्वारा असाध्य रोगों के उपचार भी संभव हैं जो कि एलोपैथिक दवाओं द्वारा लाखों रू. खर्च करने के पश्चात् भी संभव नहीं हो पाता। होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में कॅरियर अपनाने के लिए होम्योपैथी चिकित्सा पाठ्यक्रम करना अनिवार्य है।

योग्यताः– BHMS (बेचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी)

DHMS (डिप्लोमा इन होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी)

विशेष–डी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रम के उपरान्त बी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रम की अवधि केवल दो वर्ष है।

रोजगार के अवसर :– निजी चिकित्सालय में होम्योपैथिक चिकित्सक बनकर सेवाएँ दी जा सकती हैं। स्वयं का क्लिनिक प्रारंभ कर किया जा सकता है।

संस्थान–

1 भारतीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, भरतपुर।

2 राजस्थान विद्यापीठ होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, डबोक उदयपुर।

3 स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेन्टर, जयपुर।

यूनानी चिकित्सक

विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के साथ–साथ यूनानी चिकित्सा भी वर्तमान में काफी उपयोगी है।

योग्यताः– B.U.M.S. (बेचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एण्ड सर्जरी)

रोजगार के अवसर :– निजी चिकित्सालय में चिकित्सक बन कर सेवाएँ दी जा सकती हैं। स्वयं का क्लिनिक प्रारम्भ कर स्वरोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

संस्थान–

1. आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बीया कॉलेज, दिल्ली।

2. राजपूताना आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बी कॉलेज, चार दरवाजा, जयपुर।

प्राकृतिक चिकित्सक

रोगों के निदान एवं उपचार हेतु वर्तमान में अनेंक प्रकार की चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें से प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भी एक है।

योग्यताः– डिप्लोमा इन नेचुरोपैथी

रोजगार के अवसर :–

प्राकृतिक चिकित्सक बनकर चिकित्सा सेवा में जा सकते हैं। स्वयं का क्लिनिक प्रारम्भ कर सकते हैं। इसमें काम आने वाले उपकरणों का उद्योग लगाकर तथा विशिष्ट चिकित्सालय आरम्भ कर सकते हैं। साथ ही निजी संस्थानों चिकित्सालयों एवं प्रशिक्षण देने वाली संस्थानों में रोजगार के अवसर हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. गांधी नेशनल एकेडमी ऑफ नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
2. एस.डी.एम. कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड यौगिक साइंसेज, बेंगलुरू।

फिजियोथैरेपिस्ट

आजकल फिजियोथैरेपी चिकित्सा के बारे में लोगों में जागरुकता बढ़ी है। कसरत/व्यायाम, मालिश आदि से अकड़न, मसल्स खींच जाना आदि बीमारियों का ईलाज करने का कार्य फिजियोथैरेपिस्ट का है।

योग्यता– बी.पी.टी. (बेचलर ऑफ फिजियोथैरेपी)/डिप्लोमा

रोजगार के अवसरः–विभिन्न राजकीय एवं निजी अस्पतालों तथा गैर सरकारी संगठनों तथा स्वयं के परामर्श केन्द्र या क्लीनिक पर सेवाएँ प्रदान की जा सकती हैं।

प्रशिक्षण संस्थानः– –

1. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।

रिहेबिलिटेशन थैरेपी

(मंद बुद्धि बालकों की देखभाल)

योग्यता :– रिहेबिलिटेशन थैरेपी में डिप्लोमा/डिग्री

रोजगार के अवसरः–विभिन्न राजकीय एवं निजी अस्पतालों तथा गैर सरकारी संगठनों आदि में कॅरियर अथवा स्वयं का परामर्श केन्द्र या क्लीनिक पर सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं।

प्रशिक्षण संस्थानः– –

1. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।
2. राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिहेबिलिटेशन ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च, ओलातपुर कटक।

प्रोस्थेटिक व ऑर्थोटिक थैरेपी

योग्यता :– प्रोस्थेटिक व ऑर्थोटिक थैरेपी में डिप्लोमा/डिग्री

रोजगार के अवसरः–विभिन्न राजकीय एवं निजी अस्पतालों तथा गैर सरकारी संगठनों आदि में कॅरियर अथवा स्वयं का परामर्श केन्द्र या विशिष्ट चिकित्सालयों में सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं।

प्रशिक्षण संस्थान :–

1. इंस्टीट्यूट फॉर फिजिकली हेण्डीकेप्ट, नई दिल्ली।
2. नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर आर्थोपेडिकली हैण्डीकेप्ट, हूगली, कोलकाता।

.

मेडिकल टेक्नोलोजिस्ट

आज के मौजूदा दौर में मेडिकल टेक्नोलोजिस्ट के रूप में कार्य करके एक युवा न सिर्फ चिकित्सकों, पैथोलोजिस्ट और लेब टेक्नीशियन का काम आसान कर सकते हैं बल्कि अच्छी आय व प्रतिष्ठा के साथ खुद का शानदार व्यवसाय भी कर सकते हैं। कई राज्यों में डिग्री के साथ–साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के बाद इस पद पर नियुक्ति का प्रावधान है।

इनके साथ–साथ एक मेडिकल टेक्नोलोजिस्ट को इस बात के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाता है कि वह अलग–अलग मेडिकल विशेषज्ञों के साथ रह कर रेडियोलोजी, ऑप्टीमेटेरिस्ट, ऑप्टिशियन, डेंटल लेब–टेक्नीशियन, डेंटल हाइजिनिस्ट, रेडियो–आइसोटोप टेक्नीशियन एवं रेडियोथैरेपी से संबंधित क्षेत्रों में भी अपनी सेवाएँ दे सकें।

योग्यता :– मेडिकल टेक्नोलोजी में 2 से 3 वर्षीय डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स

रोजगार के अवसर:– मेडिकल टेक्नोलोजिस्ट की प्रत्येक चिकित्सालय में आवश्यकता होती है, जहाँ विभिन्न तरह की मशीनें एवं जाँचें होती है। विभिन्न प्राइवेट हॉस्पीटल क्लिनिक, नर्सिंग होम, प्रयोगशालाएँ और अन्य चिकित्सा संस्थानों में इस पद की भारी मांग रहती है।

प्रशिक्षण संस्थान:–

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

दन्त तकनीशियन

दन्त तकनीशियन का काम दाँतों और दन्त उपकरणों का निर्माण तथा उनकी मरम्मत करना है। यह कृत्रिम दाँतों का निर्माण व मरम्मत, विकल दन्त विज्ञान व अन्य उपकरण दाँतों को भरने के कार्य से संबंध रखता है। दन्त तकनीशियन को दन्त शिल्पकार का प्रशिक्षण भी किया होना चाहिए।

योग्यता –दन्त तकनीशियन का प्रमाण पत्र/डिप्लोमा

रोजगार के अवसर– विभिन्न निजी अस्पतालों में दन्त तकनीशियन के रूप में सेवा दी जा सकती है। स्वयं का डेन्टल क्लीनिक स्थापित कर कॅरियर बना सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान – 1. दर्शन डेन्टल कॉलेज, लोयरा, उदयपुर।

2. पेसिफिक डेन्टल कॉलेज, देबारी, उदयपुर।

3. सरकारी दन्त कॉलेज हॉस्पीटल, अहमदाबाद।

नर्स/कम्पाउण्डर

नर्सिंग एक ऐसा कॅरियर है, जिसमें व्यक्ति अपने सेवाभाव व नैतिक गुणों के के साथ अपनी जीविका चलाता है। इस कॅरियर को लड़के व लड़कियाँ दोनों अपना सकते हैं। बढ़ती आबादी और अस्पतालों में बढ़ते विभिन्न प्रकार के रोगीयों की सेवा करने के लिए नर्स/कम्पाउन्डर के आशार्थियों के लिए इस क्षेत्र में अच्छे अवसर हैं।

योग्यता–(A.N.M.)(G.N.M.) (बी.एससी. नर्सिंग) तथा प्रसूति विद्या में प्रशिक्षण प्राप्त।

रोजगार के अवसर– निजी, सरकारी अस्पतालों में सेवा तथा प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण/अनुदेशक कार्य कर सकते हैं तथा स्वयं का नर्सिंग होम भी चला सकते हैं।

प्रशिक्षण संस्थानः–

1 निदेशालय, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएँ, जयपुर से संबद्ध विभिन्न संस्थान।

2 राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।

3. ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेज, नई दिल्ली।

मेडिकल/पैरा–मेडिकल क्षेत्र में रोजगार

1. बेड साईड असिस्टेंट
(Bedside Assistant)

न्यूनतम योग्यता– 8वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 90 दिन	शुल्क 8,100
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 68 दिन	शुल्क 17,340

2. डेन्टल मैकेनिक
(Dental Mechanic)

न्यूनतम योग्यता– 10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 50 दिन	शुल्क 4,500
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 38 दिन	शुल्क 9,660

3. ऑप्टोमेट्रीस्ट कम ऑप्टीशियन
(Optometrist cum optician)

न्यूनतम योग्यता– 10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 70 दिन	शुल्क 6,300
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 53 दिन	शुल्क 13,500

4. फार्मेसी असिस्टेंट
(Pharmacy Assistant)

न्यूनतम योग्यता–10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 50 दिन	शुल्क 4,500
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 38 दिन	शुल्क 13,500

5. मेडिकल रिकार्ड टेक्नीशियन
(Medical Record Technician)

न्यूनतम योग्यता– 12वीं पास, **RS-CIT**

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 80 दिन	शुल्क 7,200
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 60 दिन	शुल्क 15,360

6. मिडवाईफरी असिस्टेंट
(Midwifery Assistant)

न्यूनतम योग्यता– 10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 90 दिन	शुल्क 8,100
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 68 दिन	शुल्क 17,340

7. ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन
(Operation Theatre Technician)

न्यूनतम योग्यता– 10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 90 दिन	शुल्क 8,100
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 68 दिन	शुल्क 17,340

8. डेन्टल सेरेमिक टेक्नीशियन
(Dental Ceramic Technician)

न्यूनतम योग्यता– 10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 90 दिन	शुल्क 8,100
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 68 दिन	शुल्क 17,340

9. लेब टेक्नीशियन-II
(Lab Technician-II)

न्यूनतम योग्यता– 10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 125 दिन	शुल्क 8,100
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 68 दिन	शुल्क 17,340

10. हॉस्पीटल हाउस कीपिंग
(Hospital House Keeping)

न्यूनतम योग्यता– 8वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 60 दिन	शुल्क 5,400
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 45 दिन	शुल्क 11,520

11. रिपेयर एण्ड मेन्टेनेंस ऑफ बायो–मेडिकल इक्यूपमेन्ट
(Repair and Maintenance of Bio-medical Equipment RSLDC)

न्यूनतम योग्यता– 10वीं पास

गैर आवासीय कार्यक्रम	अवधि 90 दिन	शुल्क 8,100
आवासीय कार्यक्रम	अवधि 68 दिन	शुल्क 17,340

डिप्लोमा इंजीनियर

डिप्लोमा या आई.टी.आई. योग्यताधारी विद्यार्थियों के लिए निजी क्षेत्रों में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। जिन्हें कॅरियर बनाकर विद्यार्थी अपना भविष्य संवार सकते हैं।

योग्यता–इंजीनियरिंग में पोलीटेक्निक डिप्लोमा या आई.टी.आई. निम्न विषयों में–

1. इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग
2. इंफोर्मेशन टेक्नोलोजी
3. केमिकल इंजीनियरिंग
4. टैक्सटाइल इंजीनियरिंग
5. सिविल इंजीनियरिंग
6. मैकेनिकल इंजीनियरिंग
7. इलेक्ट्रीकलइंजीनियरिंग

रोजगार के अवसरः–इस कोर्स को करने के पश्चात् छात्र/छात्राओं को निजी कम्पनियाँ/औद्योगिक क्षेत्र, स्वयं का व्यवसाय, सलाहकार, संगठनों आदि में अभियन्ता के पद पर कॅरियर के अवसर उपलब्ध होते हैं।

प्रशिक्षण संस्थानः–

1. विद्याभवन रूरल इंस्टीट्यूट, बड़गाँव, उदयपुर।
2. राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय, उदयपुर।
3. तकनीकी शिक्षा विभाग, जोधपुर राजस्थान से मान्यता प्राप्त राजकीय और निजी पॉलीटेक्निक संस्थान।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. कॅरियर निर्देशिका –अपोलो प्रकाशन, जयपुर।
2. कॅरियर के नवीनतम क्षेत्र –मनो.आ.एवं व्या. शिक्षा विभाग, रा.रा.शै.अ. एवं प्र.सं उदयपुर (राज)।
3. रोजगार व स्वरोजगार – एस.ए. पब्लिकेशन, दिल्ली।
4. विभिन्न कॅरियर संबंधी पत्रिकाएँ।
5. विभिन्न दैनिक समाचार पत्र, वेबसाइट्स, रोजगार समाचार, रोजगार सन्देश आदि।
6. क्लासिक कॅरियर चुने – अंकुर प्रकाशन, उदयपुर

कार्यकारी दल

क्र.स.	नाम सदस्य	पद	पदस्थापन स्थान
1.	डॉ. नर्बदाशंकर श्रीमाली	प्राध्यापक	एसआईईआरटी, उदयपुर
2.	श्री कमल किशोर रावल	प्राध्यापक	राउमावि लुणदा, उदयपुर
3.	श्री हितेन्द्र सोनी	अनु.सहायक	एसआईईआरटी, उदयपुर
4.	श्री श्याम सुन्दर चौबीसा	व.अ.	रा.मा.वि. सेमड, उदयपुर
5.	श्री अम्बालाल माली	व.अ.	रा.मा.वि. कानपुर जावर
6.	श्री भूपेन्द्र सेन	अध्यापक	राउप्रावि तुमदर, झाडोल
7.	श्रीमती अंजू माथूर	अध्यापिका	राउप्रावि आनन्दनगर, पाली
8.	श्रीमती विभा सुखवाल	अध्यापिका	राउप्रावि नयागुडा, गोगुन्दा